भाद्रपद कृष्णा - 14 | संवत 2082 | वर्ष - 21 | अंक - 30 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » शुक्रवार » 22-08-2025 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 आतंकवाद के अपराधी की तुलना सीमा पार आतंकवाद के पीड़ित से नहीं की जा सकती

6 विधेयक पर हंगामा क्यों, जब मुद्दा है राजनीतिक शुचिता का?

7 नीरू बाजवा ने इंडस्ट्री में एंट्री के लिए बोला 'झूठ'

फर्स्ट टेक

कर्नाटक विधानसभा में भीड़ प्रबंधन पर विधेयक पेश किया गया

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने भीड़ नियंत्रण पर एक विधेयक पेश किया है जिसमें बिना अनुमति के कार्यक्रम आयोजित करने, अशांति फैलाने और भीड़ द्वारा ''उत्पात'' मचाने पर कड़ी सजा का प्रावधान है। कर्नाटक भीड़ नियंत्रण (कार्यक्रमों और सभा स्थलों पर भीड़ प्रबंधन) विधेयक, चार जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ के दो महीने बाद विधानसभा में पेश किया गया।

रोज वैली मामले में 260 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि धन शोधन से जुड़े एक मामले में कोलकाता स्थित रोज वैली समूह की लगभग 263 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है। समूह पर कई निवेशकों को धोखा देने का आरोप है। ईडी ने बताया कि उसने 13 अगस्त को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आदेश जारी किए जाने के बाद कोलकाता वेस्ट इंटरनेशनल सिटी में चारुलता प्रोजेक्ट के बी/02/45 स्थित एक बंगले के साथ-साथ समूह से जुड़ी 32 मुखौटा कंपनियों के शेयर को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है।

अजय सिंह फिर भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष बने

गुरुग्राम/भाषा। निवर्तमान अजय सिंह बृहस्पतिवार को लगातार तीसरी बार भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष बन गए जिन्होंने लंबे इंतजार के बाद हुए चुनाव में जसलाल प्रधान को हराया। कानूनी लड़ाई के बीच छह महीने से अधिक समय से स्थगित हुए ये चुनाव निर्वाचन अधिकारी राजेश टंडन और बीएफआई की अंतरिम समिति के प्रमुख सिंगापुर के फैरूज मोहम्मद की मौजूदगी में हुए जिन्हें विश्व मुक्केबाजी ने पर्यवेक्षक के तौर पर भेजा था।

नागरिक धोखाधड़ी मामले में ट्रंप पर जुर्माना लगाने का फैसला खारिज

न्यूयॉर्क/एपी। न्यूयॉर्क की एक अपीलीय अदालत ने नागरिक धोखाधड़ी मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर जुर्माना लगाने के फैसले को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया। पांच न्यायाधीशों के पैनल ने न्यूयॉर्क राज्य के उस मुकदमे में अपना फैसला सुनाया, जिसमें ट्रंप पर ऋण हासिल करने के लिए अपनी निवल संपत्ति को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाया गया था।

सूर्यास्त 22-08-2025 6:36 बजे	सूर्योदय 23-08-2025 6:08 बजे
BSE 82,000.71 (+33.20)	NSE 25,083.75 (+33.20)
सोना 10,418 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 117,035 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भस्मासुरी बिल

जो आज ला रहे हैं बिल वे,
कल थे विरोध में ही सारे।
जो हैं विरोध में आज सभी,
पहले थे उनके जयकारे।
अवसरवादी है राजनीति,
कोई जीते या कोई हारे।
कब बिल बन जाए भस्मासुर,
किसको मारे किसको तारे।

ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने वाले विधेयक को संसद ने दी मंजूरी

- 'ऑनलाइन मनी गेम' आज समाज में बड़ी चिंता का विषय बन गया है
- ऑनलाइन गेमिंग से धन शोधन और आतंकवाद का वित्तपोषण भी हो रहा है।
- सरकार 'ई-स्पोर्ट्स' और 'ऑनलाइन सोशल गेमिंग' को बढ़ावा देना चाहती है तथा इनके लिए प्राधिकरण बनाए जाएंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने बृहस्पतिवार को ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने एवं शैक्षणिक और सामाजिक ऑनलाइन खेलों को बढ़ावा देने वाले एक महत्वपूर्ण विधेयक को मंजूरी दे दी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि समाज में एक बहुत बड़ी बुराई आ रही है जिससे बचने के लिए इस विधेयक को लाया गया है।

राज्यसभा में 'ऑनलाइन खेल संवर्धन और विनियमन विधेयक, 2025' को आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के जवाब के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। लोकसभा इसे बुधवार को ही पारित कर चुकी है।

उच्च सदन में विधेयक को चर्चा के लिए पेश करते हुए वैष्णव ने कहा कि 'ऑनलाइन मनी गेम' आज समाज में बड़ी चिंता का विषय बन गया है और कई ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें इसकी लत लग जाती है तथा वह जिदंगी भर की बचत (ऑनलाइन) गेम में उड़ा देते हैं।

मंत्री ने कहा कि इस आनलाइन गेमिंग के कारण कई परिवार बर्बाद हो गए और कई आत्महत्याएं हुई हैं। उन्होंने इस संबंध में कई खबरों का हवाला भी दिया। उन्होंने इस बात पर चिंता जतायी कि देश के युवाओं से जुड़े इस महत्वपूर्ण विधेयक पर विपक्ष के सदस्यों को चर्चा में भाग लेना चाहिए। जिस समय वैष्णव यह बात कह रहे थे, विपक्ष के सदस्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर नारेबाजी कर रहे थे।

हंगामे के कारण संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने प्रस्ताव किया कि इस विधेयक को बिना चर्चा के पारित कराया जाये जिसे उप सभापति हरिवंश ने मान लिया।

इससे पहले वैष्णव ने कहा, यह लगभग स्थापित हो गया है कि ऑनलाइन गेमिंग, मनी गेमिंग के कारण परिवारों पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि ऑनलाइन गेमिंग से धन शोधन और आतंकवाद का वित्तपोषण भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार 'ई-स्पोर्ट्स' और 'ऑनलाइन सोशल गेमिंग' को बढ़ावा देना चाहती है तथा इनके लिए प्राधिकरण बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गेम निर्माताओं को सहायता दी जाएगी।

'जनता जिये या मरे, वोट चोरी' से सत्ता में आने वालों को फर्क नहीं पड़ता : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शेखपुरा/लखीसराय (बिहार)/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि 'वोट चोरी' करके सत्ता में आने वालों को जनता की समस्याओं से कोई परवाह नहीं है क्योंकि उन्हें जनता के वोट की जरूरत नहीं है।

राहुल गांधी एक दिन के अवकाश के बाद बृहस्पतिवार को लखीसराय में 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुए। इससे पहले सुबह के समय राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने शेखपुरा से यात्रा आरंभ की और यह यात्रा दोपहर के समय लखीसराय पहुंची। यात्रा में बुधवार को अवकाश था। राहुल गांधी बृहस्पतिवार को उप राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी के नामांकन में शामिल हुए जिसके कारण वह दिन में पहले हिस्से की यात्रा में शामिल नहीं हो सके।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने औरंगाबाद में कुछ युवाओं से मुलाकात का एक वीडियो 'एक्स' पर साझा किया।

राहुल गांधी ने पोस्ट किया, भारत के प्रिय मतदाताओं, मैं आप सभी से एक सीधा सवाल पूछना चाहता हूं – जो सरकार वोट चोरी से बनी हो, क्या उसका इरादा कभी जनसेवा हो सकता है? नहीं। उन्हें आपके वोट की ज़रूरत ही नहीं है, इसलिए आपकी समस्याओं की परवाह भी नहीं है। उन्होंने दावा किया, आज की स्थिति आपके सामने है। रिकॉर्ड तोड़ बेरोज़गारी के कारण युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है। सरकार पूंजीपतियों के खजाने भर रही है। कांग्रेस नेता ने कहा, नीट, एसएससी पेपरलीक जैसे घोटालों ने लाखों छात्रों के करियर तबाह कर दिए। सरकार ने मुंह फेर लिया। महंगाई आसमान छू रही है, जिससे आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। मगर, सरकार कर बढ़ाती गई।

खेल मंत्रालय ने कहा कि

पाकिस्तान से द्विपक्षीय खेल नहीं

लेकिन क्रिकेट टीम को एशिया कप खेलने से नहीं रोकेंगे

- मंत्रालय ने भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के संबंध में नई नीति का अनावरण किया जिसे पाकिस्तान पर विशेष ध्यान रखकर बनाया गया है।
- बहुपक्षीय टूर्नामेंट में खेलने से सरकार नहीं रोकेगी तथा ओलंपिक चार्टर का पालन करेंगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि पहली बार लाई गई नई नीति के तहत भारत और पाकिस्तान किसी भी द्विपक्षीय खेल प्रतियोगिता में तटस्थ स्थान पर भी नहीं खेलेंगे लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम को अगले महीने कई टीमों के एशिया कप में खेलने से नहीं रोका जाएगा।

मंत्रालय ने भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के संबंध में नई नीति का अनावरण किया जिसे पाकिस्तान पर विशेष ध्यान रखकर बनाया गया है। मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि यह नीति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है जिसके तहत भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तान में द्विपक्षीय खेलों में भाग नहीं लेंगे और ना ही पाकिस्तानी खिलाड़ी भारत आयेंगे।

यह पूछने पर कि क्या भारतीय टीम को कई देशों के टूर्नामेंट में पाकिस्तान में खेलने भेजा जायेगा, सूत्र ने कहा, ऐसे हालात में हम फैसला लेंगे कि हमें जाना है या नहीं।

सूत्र ने कहा, जो देश यह कहता हो कि हमारा ट्रक पत्थर से भरा है और भारत मर्सीडीज है और टकराने से नुकसान किसे होगा, ऐसे देश में हम अपने खिलाड़ियों को कैसे भेज सकते हैं।

मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड की जा चुकी इस नीति में सरकार ने पाकिस्तान का नाम लिया है जो अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले का आरोपी है जिसमें 26 भारतीय पर्यटक मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव के दौरान भारत ने मई में 'आपरेशन सिंदूर ' के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। कहा गया है, पाकिस्तान से जुड़े खेल टूर्नामेंट के प्रति भारत का दृष्टिकोण उस देश के साथ व्यवहार करने की उसकी समग्र नीति को दर्शाता है।

इसके अनुसार, जहां तक एक-दूसरे के देश में द्विपक्षीय खेल प्रतियोगिताओं का संबंध है तो किसी भी खेल में भारत की टीमें पाकिस्तान में प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेंगी। और ना ही हम पाकिस्तान की टीमों को भारत में खेलने की अनुमति देंगे। हालांकि कई देशों के टूर्नामेंट पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा।

भारत-रूस संबंध वैश्विक स्तर पर सबसे स्थिर संबंधों में से एक : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रूस की यात्रा पर आये विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर ने गुरुवार को मास्को में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। डॉ. जयशंकर ने श्री पुतिन को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और प्रथम उप प्रधानमंत्री के साथ अपनी बातचीत से अवगत कराया।

मॉस्को/भाषा। भारत और रूस ने अपने द्विपक्षीय व्यापार को ''संतुलित और टिकाऊ तरीके'' से बढ़ाने का बृहस्पतिवार को संकल्प लिया तथा विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गैर-शुल्क (टैरिफ) बाधाओं एवं नियामक अड़चनों को ''तेजी से'' दूर करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

दोनों देशों द्वारा रूस को भारतीय निर्यात बढ़ाने सहित द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने का यह संकल्प, व्यापार और टैरिफ पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को लेकर भारत-अमेरिका संबंधों में बढ़ती दूरी के बीच लिया गया है।

जयशंकर ने अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ व्यापक वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा, हमारा मानना है कि भारत और रूस के बीच संबंध द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद दुनिया के सबसे प्रमुख संबंधों में से एक रहे हैं। उन्होंने कहा, भू-राजनीतिक स्थिति, जन भावनाएं और नेतृत्व संपर्क इसके प्रमुख प्रेरक बने रहेंगे।

जयशंकर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नवंबर या दिसंबर में होने वाली भारत यात्रा के विभिन्न पहलुओं को अंतिम रूप देने के लिए मंगलवार को मॉस्को पहुंचे।

अपनी बातचीत में, जयशंकर और लावरोव ने आतंकवाद से निपटने के तरीकों पर भी विचार-विमर्श किया। जयशंकर ने कहा, आतंक के मुद्दे पर, हमने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ संयुक्त रूप से लड़ने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा, मैंने आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाने के भारत के दृढ़ संकल्प और सीमा पार आतंकवाद से अपने नागरिकों की रक्षा करने के हमारे संप्रभु अधिकार से अवगत कराया।

भारत रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार नहीं : विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत न तो रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है और न ही 2022 के बाद मॉस्को के साथ उसके व्यापार में सबसे बड़ा उछाल आया है। यह रूसी तेल की खरीद को लेकर अमेरिका की ओर से भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी का अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) लगाए जाने के बाद किसी शीर्ष सरकारी अधिकारी की संभवत: पहली स्पष्ट प्रतिक्रिया है। मॉस्को की तीन दिवसीय यात्रा कर रहे जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, हम रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदार नहीं हैं। वह चीन है। हम रूसी एलएनजी के सबसे बड़े खरीदार नहीं हैं। मैं दावे के साथ नहीं कह सकता, लेकिन मुझे लगता है कि वह यूरोपीय संघ है।

जॉली एलएलबी 3 टीम पर कसा कानूनी शिकंजा

अक्षय कुमार समेत तीन को समन जारी

पुणे/भाषा। पुणे की एक अदालत ने फिल्म जॉली एलएलबी 3 के निर्माता के साथ ही अभिनेताओं अक्षय कुमार और अरशद वारसी को एक याचिका के जवाब में समन जारी किया है। याचिका में दावा किया गया है कि फिल्म में वकीलों और न्यायाधीशों को गलत तरीके से चित्रित किया गया है। दीवानी अदालत के न्यायाधीश जे. जी. पवार ने 18 अगस्त को निर्देशक सुभाष कपूर, अरुण भाटिया और वारसी को समन जारी कर 28 अक्टूबर तक जवाब मांगा। याचिकाकर्ता ने कहा कि बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार का असली नाम राजीव भाटिया है लेकिन गलती से उनका नाम 'अरुण भाटिया' लिख दिया गया।

आवारा कुत्तों के मामले में आज आएगा फैसला

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में आवारा कुत्तों से लोगों को होने वाली परेशानियों से संबंधित मामले में शुक्रवार को अपना फैसला सुनायेगा।

शीर्ष अदालत की ओर से जारी वाद सूची के अनुसार, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ इस स्वत: संज्ञान मामले में फैसला सुनायेगी। तीन सदस्यीय इस पीठ ने आवारा कुत्तों को पकड़ कर आश्रय गृहों में भेजने संबंधी शीर्ष अदालत के दो सदस्यीय पीठ के 11 अगस्त के आदेश पर रोक की मांग वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाएगी। अदालत ने 14 अगस्त को सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रखा लिया था। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने दो सदस्यीय पीठ के 11 अगस्त के आदेश के मद्देनजर इस मामले की स्वत: संज्ञान सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की एक नई पीठ गठित की थी।

भारत पर 50 फीसदी शुल्क लगाने के अमेरिकी फैसले का पूरी तरह विरोध करता है चीन : राजदूत

नई दिल्ली/भाषा। चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि चीन भारत पर अमेरिका द्वारा 50 प्रतिशत तक का शुल्क लगाने और उसे और बढ़ाने की धमकी का पूरी तरह विरोध करता है।

यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फेइहोंग ने यह भी कहा कि शुल्क और व्यापार ''युद्ध'' वैश्विक आर्थिक और व्यापार व्यवस्था को बाधित कर रहे हैं। चीन के राजदूत की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब भारत-चीन संबंधों में सुधार का दौर देखा जा रहा है।

भारत और चीन ने मंगलवार को ''स्थिर, सहयोगी और भविष्यमुखी'' संबंधों के लिए कई उपायों की घोषणा की थी। इनमें सीमा पर शांति बनाए रखना, सीमा व्यापार को फिर से खोलना, निवेश प्रवाह को बढ़ावा देना और जल्द से जल्द सीधी हवाई सेवा बहाल करना शामिल है।

दोनों एशियाई दिग्गजों की ''पूर्ण'' विकास क्षमता को साकार करने के उद्देश्य से की गई ये घोषणाएं उस समय आई हैं जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार और शुल्क नीतियों को लेकर भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव बढ़ रहा है।

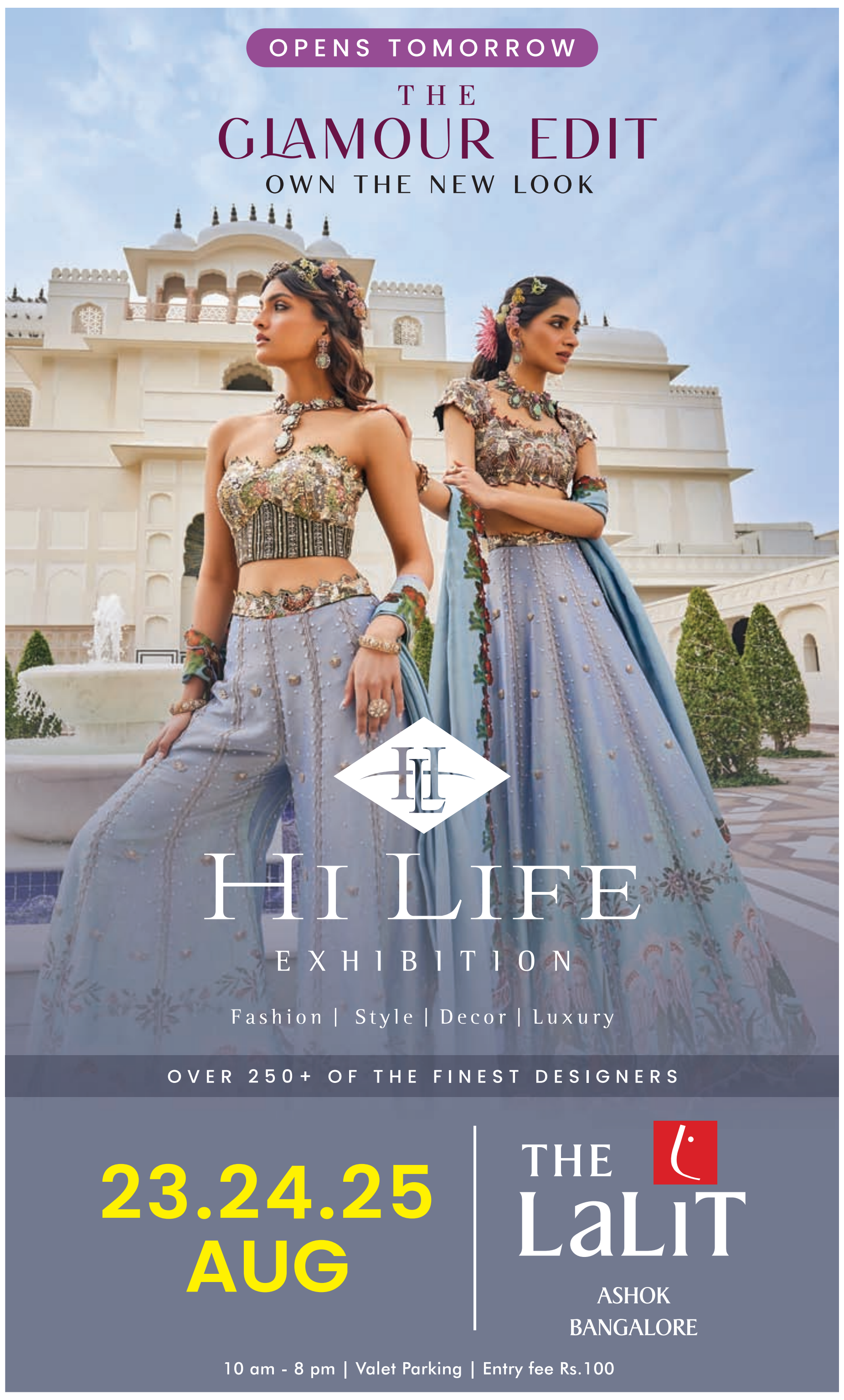

जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ में पर्युषण पर्व आराधना गतिमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ कर्नाटक के जैन स्वाध्याय भवन राजाजीनगर में गुरुवार को पर्युषण पर्व आराधना की गई। अध्यक्ष निर्मल बम्ब ने स्वागत किया। उपाध्यक्ष सज्ज्ञनराज मेहता ने बताया कि संघ, श्राविका मंडल, युवक परिषद के सदस्यों के लिए स्वाध्यायी श्रावक प्रकाशचंद जैन के सान्निध्य में कांता जैन, ज्योति जैन , मुमुक्षु प्रतीक्षा के संयोजन में पर्युषण पर्व आराधना गतिमान है। प्रतीक्षा ने आत्मा की सुरक्षा विषय पर कहा कि जिस तरह शरीर की रक्षार्थ बीमा भरना पड़ता है, वैसे ही आत्मरक्षार्थ व्रत, सामायिक, पच्चक्खान, स्वाध्याय रूपी बीमा राशि भरनी होगी।

प्रकाशचंद जैन ने सम्यक दर्शन विषय पर रोशनी डालते हुए कर्माधीन परिस्थितियों में मनोस्थिति को बदलते हुए दृष्टि, नजारे बदलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ज्ञान-अज्ञान का भेद जानने के लिए सम्यक दृष्टि अहम है। उन्होंने दुर्लभ मनुष्य जन्म को सार्थक करने के लिए कई दृष्टान्त पेश किए। जिनवाणी राम बाण का कार्य करती है। ज्ञान सीखने के लिए काल, विनय, सम्मान, उपादान, व्यंजना, अर्थाचार और तदुभ्याचार को जनना आवश्यक है। श्राविका मंडल की अध्यक्ष प्रभा गुलेच्छा के सहयोग से अंतगढ़ दशासूत्र का रोचक व्याख्यान जारी है।समस्त आयोजन में संघ के अनेक सक्रिय कार्यकर्ता व्यवस्था संभाल रहे हैं ।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु प्रवास पर आए राजस्थान सरकार पुलिस विभाग के प्रमुख अधिकारी प्रसन्न खींवेसरा ने गांधीनगर के तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि डॉ पुलकित मुनि के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर अणुव्रत समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल, मंत्री लाभेश कांसवा, सलाहकार माणकचंद बरलोटा, सुरेश दक, सहमंत्री सूरजमल पितलिया, प्रचार प्रसार मंत्री कविता जैन आदि ने अणुव्रत पट्ट व जैन साहित्य प्रदान कर खिंवेसरा का सम्मान किया।

अपने आप को धर्म रूप से चार्ज करने का समय है पर्युषण : साध्वी मयूरयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वी मयूरयशाश्रीजी ने पर्युषण महापर्व के दूसरे दिन श्रावक के 11 वार्षिक कर्तव्यों का वर्णन किया। साध्वीश्री ने कहा कि पर्युषण पर्व के ये 8 दिन धर्म का पेट्रोल भरने के दिन हैं। 360 दिन कोई भी धर्म क्रिया नहीं करने वाला भी आठ दिन आराधना करके पूरे वर्ष को चार्ज कर सकता है। साध्वीश्री ने आबू सेठ, कुमार पाल महाराज की कथा सुनाते हुए 11 कर्त्तव्य रथ यात्रा, तीर्थ यात्रा, प्रभु का जन्मोत्सव व स्नात्र महोत्सव, देव द्रव्य की वृद्धि, महापूजा, रात्रि जागरण, श्रुत ज्ञान की भक्ति उद्यापन, तीर्थ प्रभावना और आलोचना के बारे में जानकारी दी। साध्वीश्री ने कहा कि पर्युषण में सभी जीवों को माफ करना मुख्य संदेश है। साध्वीश्री ने मिच्छामि दुक्कड़म का मतलब मेरा तेरा छोड़ना, अपने दोषों को नहीं छिपाना, मर्यादा में रहना, अपनी आत्मा के दोषों की निंदा करना, पापोंका क्षय करना है। साध्वीश्री ने कहा कि हमें संघ की अपेक्षा व निंदा नहीं करनी चाहिए। जिन आज्ञा और जिन वचन का पालन नहीं करने वाला आशातना का भागी होता है।

मुक्ति का सबसे सरल मार्ग है भक्ति का मार्ग : साध्वी कंचनकंवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी कंचनकंवरजी ने पर्युषण पर्व के दूसरे दिन साध्वीश्री अणिमाश्री ने प्रवचन में कहा कि पर्व के दिनों में सद्गुणों का सर्जन करना है और साथ ही अंतरमन में रही हुई बुराइयों का विसर्जन भी करना है। साध्वीश्री ने कहा कि जिस प्रकार उद्यान में पहुंचते ही व्यक्ति फूलों को चुन लेता है और कांटों को छोड़ देता है, उसी प्रकार जीवन में भी जहां भी, जिससे भी मिलें, गुण मिलें उन्हें ग्रहण करना चाहिए। जैसे खदान में हीरा होता है, उसी तरह मनुष्य के अन्त:करण में भक्ति का कमल विद्यमान होना चाहिए। भगवान छल, बल से नहीं अपितु निष्काम भक्ति से जरूर प्राप्त होते हैं। उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी ने कहा कि जैसे ढोलक की थाप सुनते ही नृत्यकार के पैर थिरकने लगते हैं। संगीत सुनते ही गायक के होंठ गुनगुनाने लगते हैं, वैसे ही पर्युषण के दिनों में मन, हृदय कुटिलता रहित होकर जप-तप करने में तत्पर हो जाता है। मुक्ति का सबसे सरल मार्ग है भक्ति का मार्ग। प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि तपस्वी आरती रांका ने मासखमण तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। संघ के अध्यक्ष दीपचन्द भंसाली ने स्वागत किया। संघ के मंत्री पदमचंद बोहरा ने संचालन किया।

मानसून सत्र सरकार और देश के लिए उपयोगी, विपक्ष के लिए विफलता वाला : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को कहा कि संसद का मानसून सत्र देश और सरकार के लिए ''उपयोगी और सफल'' था, लेकिन विपक्ष के ''असफल और नुकसानदेह'' रहा।

लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद रीजीजू ने कहा कि सरकार ने अपना सारा कामकाज निपटाया और सत्र की ''सफलता दर 100 प्रतिशत'' रही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सत्ता पक्ष को हंगामे के बीच अपने विधेयक पारित करने पड़े क्योंकि विपक्ष ने चर्चा की अनुमति देने के अनुरोध पर ध्यान नहीं दिया।

मंत्री का कहना था, सरकार को राष्ट्रहित में जनता के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष अपने विरोध प्रदर्शनों के ज़रिए सरकार को काम करने से नहीं रोक सकता।

विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि उनके सदन के नेता और सचेतक कई बार सत्र के दौरान सरकार के साथ अनौपचारिक सहमति बना लेते थे, लेकिन दोनों सदनों में इसे लागू नहीं कर पाते थे। उन्होंने कहा, वे दबाव में हो सकते

हैं। रीजीजू ने कहा, कांग्रेस के नए सांसद कैसे सीखेंगे? उनके नेता तो कुछ सीखते ही नहीं। बिहार में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध कर रहे एकजुट विपक्ष ने 21 जुलाई से शुरू हुए पूरे सत्र के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा की मांग पर जोर दिया, जिससे दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित रही। सरकार ने इस आधार पर उनकी मांग को खारिज कर दिया कि यह मुद्दा न्यायालय में विचाराधीन है और निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर संसद में चर्चा नहीं हो सकती। इस सत्र में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा के दौरान लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही दो दिन सुचारू रूप से चली। रीजीजू ने कहा कि विरोध और असहमति लोकतांत्रिक बातें हैं, लेकिन संसद और सरकार को काम करने से रोकना और बाधित करना अलोकतांत्रिक है। सरकार ने सत्र के दौरान लोकसभा में 14 विधेयक पेश किए और 12 विधेयकों को मंजूरी दिलाई। राज्यसभा में 15 विधेयक पारित हुए। रीजीजू ने गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बुधवार को लोकसभा में पेश किए गए तीन विधेयकों के खिलाफ विपक्ष के भारी विरोध की भी आलोचना की।

इन विधेयकों में गंभीर आपराधिक आरोपों में लगातार 30 दिन तक गिरफ्तार रहने की स्थिति में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से अनिवार्य रूप से हटाने का प्रावधान है।

मंत्री ने कहा कि यह एक ''क्रांतिकारी'' प्रस्ताव है और कुछ दल खुद को बचाने के लिए कानून बनाते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने कार्यालय को ही इस प्रस्तावित कानून के दायरे में लाने का फैसला किया।

सीएसआर के तहत पिछड़े और दूरदराज के जिलों पर ध्यान देने की जरूरत: फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कंपनियों और निजी क्षेत्र की इकाइयों से आग्रह किया कि वे अपने कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) का ध्यान शहरी केंद्रों से हटाकर पिछड़े और दूरदराज के जिलों पर केंद्रित करें। उन्होंने महाराष्ट्र में ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक बदलाव लाने के लिए सरकार के साथ मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया।

फडणवीस ने महाराष्ट्र ग्राम सामाजिक परिवर्तन फाउंडेशन (वीएसटीएफ) की पांचवीं संचालन परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि इस पहल का अगला चरण अधिक समावेशी, जमीनी स्तर पर संचालित और परिणाम-उन्मुख होना चाहिए, जिसमें निजी कारोबारियों से नीति और कार्यान्वयन दोनों का समर्थन शामिल हो। उन्होंने कहा, सीएसआर प्रयास केवल शहरों तक ही सीमित नहीं होने चाहिए। हमें अविकसित ग्रामीण क्षेत्रों में वास्तविक बदलाव लाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए गांवों के भीतर संस्थागत संरचनाओं की आवश्यकता बतायी। फडणवीस ने कहा, ग्रामीण स्तर पर बदलाव केवल योजनाओं को लागू करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि स्वामित्व सृजन, क्षमता निर्माण और गति को बनाए रखना भी अहम है। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने एसटीएल लिमिटेड द्वारा जल संरक्षण परियोजनाओं पर एक रिपोर्ट भी जारी की। बैठक के दौरान लातूर में एक किसान-उत्पादक कंपनी के गोदाम का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन भी किया गया।

फॉक्सकॉन ने भारत में नेतृत्व बदला, रॉबर्ट वू बने नए प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एप्पल के उपकरण बनाने वाली प्रमुख कंपनी फॉक्सकॉन ने भारत में अपने शीर्ष नेतृत्व में बदलाव किया है। कंपनी ने भारत के प्रतिनिधि वी ली को पदोन्नत कर चेयरमैन के कार्यालय में नई जिम्मेदारियां दी हैं, जबकि उनकी जगह शार्प कंपनी के सीईओ रॉबर्ट वू को भारत का नया प्रमुख बनाया गया है।

ली के नेतृत्व में फॉक्सकॉन इंडिया का कारोबार 20 अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर गया और कंपनी के कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 80,000 के करीब पहुंच गई। फॉक्सकॉन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह बदलाव उनकी नियमित प्रक्रिया का हिस्सा है। इस सप्ताह से फॉक्सकॉन इंडिया के नए प्रतिनिधि अब रॉबर्ट वू हैं। इस भूमिका से पहले, रॉबर्ट वू जापान में फॉक्सकॉन की अनुषंगी कंपनी शार्प कॉर्प के सीईओ थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से फोन पर बातचीत की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बृहस्पतिवार को फोन पर बातचीत की जिसमें यूक्रेन और पश्चिम एशिया में संघर्षों के समाधान पर ध्यान केंद्रित किया गया। मोदी ने इस बातचीत को ''बहुत अच्छा'' बताया। मैक्रों इस सप्ताह हुई अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की बातचीत के दौरान उनके साथ मौजूद यूरोपीय नेताओं में शामिल थे। मोदी ने सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में कहा, मेरे मित्र राष्ट्रपति मैक्रों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। यूक्रेन और पश्चिम एशिया में संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने कहा, हमने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। जेलेंस्की से मुलाकात करने से कुछ दिन पहले ट्रंप ने अलास्का में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ यूक्रेन संघर्ष पर शिखर वार्ता की थी।

केंद्र ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले के बाद उन्हें 'जेड' श्रेणी की 'वीआईपी' सुरक्षा प्रदान की है। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। गुप्ता, उनके आधिकारिक आवास और राष्ट्रीय राजधानी के सिविल लाइंस क्षेत्र में राज निवास मार्ग स्थित उनके कार्यालय को भी अर्द्धसैनिक बल के वीआईपी सुरक्षा समूह (वीएसजी) द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाएगी, जो विशिष्ट व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करता है। यह समूह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस पार्टी के गांधी परिवार को भी सुरक्षा प्रदान करता है। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने बृहस्पतिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल ली। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय खुफिया एजेंसियों द्वारा तैयार की गई खतरे की आशंका संबंधी रिपोर्ट के बाद उन्हें 'जेड' श्रेणी की केंद्रीय सुरक्षा प्रदान की गई है।

ध्यान भटकाने के लिए गृह मंत्री ने 'वेपन ऑफ मास डिस्ट्रैक्शन' वाले विधेयक पेश किए : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने संसद के मानसून सत्र में गतिरोध बने रहने के लिए बृहस्पतिवार को सरकार को जिम्मेदार ठहराया और दावा किया कि गृह मंत्री अमित शाह ने ''वोट चोरी'' जैसे कुछ प्रमुख मुद्दों से ध्यान भटकाने के मकसद से ''वेपन ऑफ मास डिस्ट्रैक्शन'' (जनता का ध्यान भटकाने के हथियार) के रूप में तीन विधेयक पेश किए।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद 'पीटीआई-भाषा' से यह भी कहा कि विपक्ष के बार-बार मांग करने के बावजूद सरकार अड़ी रही और उसने चुनाव प्रक्रिया को लेकर सदन में चर्चा नहीं कराई। रमेश ने कहा, इस सत्र की शुरुआत से ही विपक्ष की मांग थी कि पहलगाम, ऑपरेशन सिंदूर और एसआईआर पर चर्चा हो। इस सत्र की शुरुआत तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के साथ एक धमाके से हुई। उन्होंने कहा कि धनखड़ का इस्तीफा एक भूकंप की तरह था जिसकी रिक्टर स्केल पर तीव्रता 10 थी। कांग्रेस नेता ने कहा, सरकार ने एसआईआर (मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण) पर चर्चा कराने से इनकार किया, जबकि हमने यहां तक पेशकश की थी कि इसे एसआईआर नहीं कहकर 'चुनावी सुधार' या 'चुनावी प्रक्रिया को मजबूत बनाना' कह कर चर्चा कराई जाए, लेकिन सरकार नहीं मानी।

उप राष्ट्रपति चुनाव को आंकड़ों के खेल नहीं, विचाराधारा की लड़ाई के रूप में देखना होगा: रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बृहस्पतिवार को कहा कि उप राष्ट्रपति चुनाव को नतीजों तथा आंकड़ों को खेल के रूप में नहीं, बल्कि विचारधारा की लड़ाई के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी दलों को उप राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रड्डी का समर्थन करना चाहिए। रमेश ने कहा कि कांग्रेस सुदर्शन रेड्डी के समर्थन में विभिन्न राजनीतिक दलों से संपर्क साधेगी।

सुदर्शन रेड्डी ने बृहस्पतिवार को नामांकन दाखिल किया। भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति चुनाव में अपना उम्मीदवार बनाया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की पृष्ठभूमि वाले राधाकृष्णन ने बुधवार को नामांकन दाखिल किया था। रमेश ने कहा, सत्तापक्ष की तरफ से आरएसएस की विचारधारा वाले व्यक्ति उम्मीदवार हैं और विपक्ष की ओर से एक ऐसे व्यक्ति उम्मीदवार हैं जो उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश हैं, देश के संविधान, धर्मनिरेक्ष और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखते हैं। यह मुकाबला सिर्फ दो व्यक्तियों के बीच नहीं है, यह विचाराधा के बीच है। इसलिए हमने तय किया कि हमें चुनाव लड़ना है। यह महत्वपूर्ण निर्णय था। उनके अनुसार, विपक्ष देश को एक संदेश देना चाहता था कि सबकुछ एकतरफ नहीं चलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की तरफ से आम सहमति बनाने का प्रयास एक दिखावा था।

ओवैसी ने चीन को लेकर मोदी सरकार की 'ढुलमुल' नीति पर उठाए सवाल

हैदराबाद/भाषा। चीन के विदेश मंत्री वांग यी की दो दिवसीय भारत यात्रा को लेकर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बृहस्पतिवार को सवाल उठाया कि क्या भारत-चीन सीमा पर स्थिति 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों से पहले वाली 'यथास्थिति' पर लौट आई है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की चीन नीति 'ढुलमुल' रही है, जिससे भारत कमजोर हुआ है और 11 साल बाद खराब स्थिति में आ गया है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट में दावा किया, क्या सीमा पर स्थिति अप्रैल 2020 वाली यथास्थिति पर लौट आई है? अगर नहीं, तो चीन के साथ इतनी गहरी दोस्ती का ऐलान करते हुए हम अब इसे कैसे हासिल करेंगे? ओवैसी ने पूछा कि चीन, भारत के साथ जलविद्युत बांधों को पानी देने वाली नदियों से वास्तविक समय के आंकड़े साझा करने पर सहमत क्यों नहीं हुआ और मानवीय आधार पर जानकारी केवल आपात स्थितियों तक ही सीमित क्यों है?

अगर संवैधानिक पदाधिकारी कर्तव्य न निभाएं, तो क्या अदालतें हाथ पर हाथ धरे रह सकती हैं : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार से पूछा कि अगर संवैधानिक पदाधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन न करें या राज्य विधानसभाओं में पारित विधेयकों पर राज्यपाल की ओर से निष्क्रियता दिखाई जाए, तो क्या संवैधानिक अदालतें हाथ पर हाथ धरे रह सकती हैं।

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की, जब केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर कुछ राज्यपाल विधानसभा में पारित विधेयकों को लंबित रखते हैं, तो न्यायिक समाधान के बजाय राज्यों को राजनीतिक समाधान तलाशने चाहिए। संविधान पीठ में प्रधान न्यायाधीश के अलावा न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर भी शामिल हैं।

पीठ राष्ट्रपति के उस संदर्भ पर सुनवाई कर रही है, जिसके तहत उन्होंने यह जानने का प्रयास किया है कि क्या अदालतें राज्य विधानसभाओं में पारित विधेयकों पर विचार करने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समय-सीमा निर्धारित कर सकती हैं। पीठ ने कहा कि अगर कोई गलती हुई है, तो उसका समाधान होना चाहिए। न्यायमूर्ति गवई ने मेहता से सवाल किया, अगर संवैधानिक पदाधिकारी बिना किसी कारण के अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं करते हैं, तो क्या एक संवैधानिक न्यायालय हाथ पर हाथ धरे रह सकता है? मेहता ने कहा कि सभी समस्याओं

के लिए अदालतें समाधान नहीं हो सकतीं और लोकतंत्र में बातचीत को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, अगर किसी राज्यपाल की ओर से कोई निष्क्रियता दिखाई जा रही है, जो राज्य दर राज्य भिन्न हो सकती है, और अगर कोई असंतुष्ट राज्य इस संबंध में अदालत का रुख करता है, तो क्या ऐसी निष्क्रियता की न्यायिक समीक्षा को पूरी तरह रोका जा सकता है। हमें बताइए, इसका समाधान क्या हो सकता है?

मेहता ने कुछ 'लचीलापन' अपनाने का आह्वान करते हुए कहा, मान लीजिए कि राज्यपाल विधेयक को रोके बैठे हैं, तो ऐसे में कुछ राजनीतिक समाधान हैं, जिन्हें अपनाया जा सकता है। हर जगह ऐसा नहीं होता कि मुख्यमंत्री सीधे अदालत पहुंच जाएं। कई उदाहरण हैं, जहां बातचीत होती है, मुख्यमंत्री राज्यपाल से मिलते हैं, वह प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से मिलते हैं और समाधान निकाल लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि गतिरोध सुलझाने के लिए कई बार टेलीफोन पर बातचीत की गई। मेहता ने कहा, पिछले कई दशकों से, अगर कोई विवाद उत्पन्न होता है, तो उसे सुलझाने के लिए यही प्रक्रिया अपनाई जाती रही है। प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल, राष्ट्रपति से मिलते हैं और कई बार कोई मध्य मार्ग भी निकाल लिया जाता है। उन्होंने राज्य सरकार और केंद्र के प्रतिनिधि राज्यपाल के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए दूरदर्शिता और राजनीतिक परिपक्वता अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। मेहता ने दलील दी, मैं कह रहा हूं कि इस देश की हर समस्या का समाधान अदालत में ही मिले, यह जरूरी नहीं है। देश में कई ऐसी समस्याएं हैं, जिनका समाधान व्यवस्था के भीतर ही तलाशा जाता है। संविधान में कहीं भी राज्यपाल या राष्ट्रपति के लिए विधेयकों पर कार्रवाई करने के वास्ते कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने मेहता से कहा, अगर कुछ गलत हुआ है, तो उसका समाधान भी होना चाहिए। यह अदालत संविधान की संरक्षक है और इसे संविधान की व्याख्या शाब्दिक अर्थ देकर करनी होगी।

केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने दवा के 46 नमूनों को 'मानक गुणवत्ता का नहीं' पाया

नई दिल्ली/भाषा। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने जुलाई के लिए अपने मासिक औषधि अलर्ट में विभिन्न कंपनियों द्वारा निर्मित 46 दवाओं के नमूनों को 'मानक गुणवत्ता का नहीं (एनएसक्यू)' पाया है। उन्होंने आगे बताया कि राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 97 दवाओं के नमूनों को एनएसक्यू के रूप में पहचाना है। नियमित नियामक निगरानी गतिविधि के अनुसार, एनएसक्यू और नकली दवाओं की सूची मासिक आधार पर केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) पोर्टल पर प्रदर्शित की जा रही है। एक अधिकारी ने कहा, जुलाई-2025 के महीने के लिए, केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने 46 दवाओं के नमूनों को मानक गुणवत्ता के नहीं (एनएसक्यू) और राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 97 दवाओं के नमूनों को मानक गुणवत्ता के नहीं (एनएसक्यू) के रूप में पहचाना है। अधिकारियों ने कहा कि दवाओं के नमूनों की एनएसक्यू के रूप में पहचान किसी एक या अन्य निर्दिष्ट गुणवत्ता मानकों में दवा के नमूने की विफलता के आधार पर की जाती है।

विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा में 'एयर शो' को मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने इस वर्ष दशहरा समारोह के दौरान मैसूर में भारतीय वायु सेना का एयर शो आयोजित करने की मंजूरी देने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का आभार व्यक्त किया है और उन्हें इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया।

सिद्दरामय्या ने सिंह को लिखे एक पत्र में कहा कि यह एयर शो उत्सव की भव्यता को बढ़ाएगा और बड़ी संख्या में मैसूर में आने वाले आगंतुकों में गर्व की भावना पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि सिंह की उपस्थिति कर्नाटक के लोगों को प्रोत्साहित करेगी और सशस्त्र बलों के प्रति उनके सम्मान को और बढ़ाएगी।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से बृहस्पतिवार को मीडिया से साझा किए गए एक पत्र में सिद्दरामय्या ने समारोह के लिए रक्षा मंत्री को आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''अगर आप व्यक्तिगत रूप से इस अवसर पर उपस्थित हो सकें तो यह हमारे लिए बड़े सम्मान की बात होगी। आपकी गरिमामयी उपस्थिति कर्नाटक के लोगों के लिए अपार प्रोत्साहन का स्रोत होगी तथा सशस्त्र बलों के प्रति हमारे सम्मान व प्रशंसा के बंधन को और मजबूत करेगी।'' मैसूर दशहरा 22 सितंबर से दो अक्टूबर तक मनाया जाएगा।

ज्ञापन

धार्मिक क्षेत्र 'धर्मस्थला' को निशाना बनाने वाले सुनियोजित षड्यंत्र के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर हिंदू राष्ट्र समन्वय समिति के नेतृत्व में बेंगलूरु में गुरुवार को बेंगलूरु जिला आयुक्त जी. जगदीश के माध्यम से राज्य सरकार और राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर हिन्दू जनजागृति समिति के प्रदेश प्रवक्ता मोहन गौड़ा, युवा ब्रिगेड के चन्द्रशेखर, श्रीराम सेना के सुन्दरेश नरगल, सेवा कन्नडिगा ट्रस्ट के लक्ष्मण गौड़ा, हिन्दू नेता एमएल शिवकुमार, शरथ कुमार सहित अनेक हिन्दू नेता, वकील एवं महिलाएँ उपस्थित थीं।

कर्नाटक सौहार्द सहकारी संशोधन विधेयक परिषद में पारित नहीं हो सका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विधान परिषद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल सेक्युलर (जदएस) सदस्यों द्वारा बुधवार को कर्नाटक सौहार्द सहकारी (संशोधन) विधेयक, 2025 के खिलाफ मतदान करने के कारण यह विधेयक पारित नहीं हो पाया। विधेयक के पक्ष में 23 और विरोध में 26 मत पड़े। सत्तारूढ़ दल के विधान परिषद के कई सदस्यों (एमएलसी) की अनुपस्थिति के कारण विधेयक के पारित नहीं हो सका।

कर्नाटक विधानसभा में 19 अगस्त को ये विधेयक पारित हो गया था और फिर इसे परिषद में पेश किया गया, जहां इसे मतदान के माध्यम से खारिज कर दिया गया। विधेयक के खारिज होने से सत्तारूढ़ कांग्रेस को किरकिरी का सामना करना पड़ा।

मतदान से पहले परिषद के अध्यक्ष बसवराज होरट्टी ने बहस की अध्यक्षता की, जिसमें विपक्षी सदस्यों ने कई प्रावधानों पर आपत्ति जताई। कर्नाटक के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने इन आपत्तियों का जवाब देते हुए कहा कि विधेयक से संबंधित सभी प्रश्नों का समाधान कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से सहकारी समितियों के कामकाज पर असर पड़ेगा और सदस्यों से आग्रह किया कि वे राजनीतिक दृष्टिकोण अपनाने के बजाय प्रावधानों पर गुण-दोष के आधार पर विचार करें। विपक्षी सदस्यों ने कहा कि वे विधेयक के उद्देश्य के विरोधी नहीं हैं।

विपक्ष ने सहकारी समितियों द्वारा जमा राशि का 20 प्रतिशत नकदी के रूप में रखने, उनकी परिसंपत्तियों को वैधानिक परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत करने और अनुसूचित बैंकों में निवेश के लिए रजिस्ट्रार से पूर्वानुमति लेने की आवश्यकताओं पर चिंता जताई। विपक्ष ने निवेश से संबंधित मौजूदा अधिनियम की धारा 18 में संशोधन का भी विरोध किया। उन्होंने वार्षिक घोषणाएं दाखिल करने में व्यावहारिक समस्याओं और पांच साल के बजाय तीन साल में एक बार अनिवार्य ऑडिट के प्रावधान पर भी चिंता जताई।

'ग्रेटर बेंगलूरु गवर्नेंस' (संशोधन) विधेयक, 2025 विधान परिषद में पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ग्रेटर बेंगलूरु गवर्नेंस' (संशोधन) विधेयक, 2025 बृहस्पतिवार को विधान परिषद में पारित हो गया। इसी के साथ इस विधेयक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत की मंजूरी मिलने के बाद अधिनियम बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। बेंगलूरु विकास विभाग का कार्यभार संभाल रहे उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने विधेयक को उच्च सदन में पेश किया। बेंगलूरु विकास विभाग कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, संक्षिप्त चर्चा के बाद विधेयक को पारित कर दिया गया। विधानसभा में पहले ही इस विधेयक को मंजूरी दी जा चुकी थी।

शिवकुमार ने विधेयक पेश करने के बाद कहा कि विधेयक में यह स्पष्ट किया गया है कि ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण संविधान के 74वें संशोधन का उल्लंघन करते हुए नगर निगमों के कार्यक्षेत्र में दखल नहीं देगा।

शिवकुमार ने विधान परिषद के सदस्य गोविंदराजू, टीए सरवण और एचएस गोपीनाथ के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा, सरकार और निगमों में अलग-अलग दल सत्ता में हैं। यह संशोधन सुनिश्चित करता है कि सरकार निगम पर अपनी मनमानी न करे।

उन्होंने वार्ड पुनर्गठन से जुड़ी चिंताओं का समाधान करते हुए कहा, 2011 की जनगणना के अनुसार, प्रत्येक वार्ड की आबादी लगभग 18,000 थी, जो अब बढ़कर 30,000 हो गई है। निगम में नए क्षेत्र जोड़ते समय हम सदस्यों की प्रतिक्रिया लेंगे।

भाजपा ने प्रियंका गांधी के निर्वाचन क्षेत्र के लिए 10 करोड़ रुपये मंजूर किए जाने की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार की ओर से केरल के वायनाड लोकसभा क्षेत्र के लिए 10 करोड़ रुपये का आवंटन किए जाने को लेकर राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच बृहस्पतिवार को जुबानी जंग छिड़ गई। वायनाड लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी करती हैं। भाजपा ने वायनाड के प्रति उदारता दिखाने के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर कटाक्ष किया और उन्हें केरल का मुख्यमंत्री करार दिया। वायानड में 30 जुलाई 2024 को बड़े पैमाने पर हुई भूस्खलन की घटनाओं के कारण कई लोग मारे गए थे और सैकड़ों परिवार बेघर हो गए थे।

कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने वायनाड के एक निर्वाचन क्षेत्र को लेकर मुख्यमंत्री की चिंता पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी की। अशोक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, केरल के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को वायनाड लोकसभा क्षेत्र को 10 करोड़ रुपये का विशेष अनुदान आवंटित करने के लिए बधाई, जिसका प्रतिनिधित्व प्रियंका गांधी करती हैं। उन्होंने कहा कि 'अगर कर्नाटक में भी केरल के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या जैसा दयालु और उदार हृदय वाला मुख्यमंत्री होता, तो सभी निर्वाचन क्षेत्रों को भरपूर धन मिलता, लेकिन अफसोस कि कन्नड़ लोग मलयाली लोगों जितने भाग्यशाली नहीं हैं!'

भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने भी वायनाड को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए सिद्दरामय्या पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, क्या वह आप नहीं थे, जिन्होंने दिल्ली में 'मेरा कर, मेरा अधिकार' का नारा लगाते हुए प्रचार किया था और इस बात पर जोर दिया था कि कर्नाटक का पैसा राज्य से बाहर नहीं जाना चाहिए? फिर भी आज आप कन्नड़ लोगों के कर के 10 करोड़ रुपये केरल के वायनाड भेज रहे हैं, सिर्फ इसलिए कि वह प्रियंका गांधी का निर्वाचन क्षेत्र है। विजयेंद्र ने आरोप लगाया, जब किसान फसल नुकसान से जूझ रहे थे, जब विधायकों को आधारशिला रखने के लिए मूल अनुदान भी नहीं मिल रहा था, जब स्कूल-कॉलेज में बुनियादी ढांचे की कमी थी, तब मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पैसा नहीं है। लेकिन अपने आलाकमान को खुश करने के लिए, आपने कर्नाटक के बाहर उदारतापूर्वक करोड़ों रुपये दान कर दिए। यह करुणा नहीं, बल्कि दासता है। उन्होंने कहा, एक मुख्यमंत्री जिसने केरल में हाथी के हमले के शिकार व्यक्ति के लिए 15 लाख रुपये की घोषणा की, लेकिन कर्नाटक के गरीबों के लिए कोई धनराशि नहीं दे पाया, अब अपनी कुर्सी बचाने के लिए हमारे आपदा कोष को बर्बाद कर रहा है। कृपया अपने आलाकमान को खुश करने के लिए हमारे आपदा कोष को बर्बाद करना बंद करें। कर्नाटक का पैसा कन्नड़ लोगों के लिए है, गांधी परिवार के राजनीतिक भविष्य के लिए नहीं। कर्नाटक सरकार के फैसले का समर्थन करते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि मानवीय आधार पर किया जाने वाला दान कार्य गलत नहीं है। उन्होंने कहा, कर्नाटक केंद्र को हजारों करोड़ रुपये देता है, लेकिन बदले में हमें क्या मिलता है? यह बड़ा सवाल है। यह सब मानवीय कारणों से किया गया है। राव ने कहा कि कर्नाटक के लोगों को पड़ोसियों के साथ अच्छा व्यवहार करने के लिए हमेशा गर्व महसूस करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि ये सभी भाजपा के ध्यान भटकाने वाले मुद्दे हैं, जो कर्नाटक और केरल के बीच फूट डालने की कोशिश कर रही है। राव ने सलाह दी, हम सभी एक-दूसरे के लिए मौजूद हैं। जब हम मानवीय कारणों से कुछ करते हैं, तो उसे संदेह या नकारात्मक दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के प्रियंका के निर्वाचन क्षेत्र को आर्थिक मदद देने के संबंध में भाजपा की आपत्ति के बारे में पूछे जाने पर राव ने कहा कि कर्नाटक सरकार ने गुजरात और ओडिशा सहित कई अन्य राज्यों के लिए भी बहुत कुछ किया है। उन्होंने कहा, कई बार, कितने संकट आते हैं और हम योगदान एवं समर्थन देते हैं।

कॉलेज छात्रा का आंशिक रूप से जला हुआ शव मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रदुर्गा। चित्रदुर्ग में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 के किनारे एक खेत में एक कॉलेज छात्रा का आंशिक रूप से जला हुआ शव मिला। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतका की पहचान एक सरकारी कॉलेज की बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि वह लड़कियों के छात्रावास में रहती थी। उसे मंगलवार दोपहर एक राहगीर ने देखा। पुलिस को संदेह है कि उसकी हत्या की गई और फिर शव को आग लगा दी गई।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि महिला का किसी के साथ प्रेम संबंध था, जो हाल ही में टूट गया। उन्होंने कहा, संबंध टूटने से नाराज पूर्व प्रेमी ने कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने कहा, मामला दर्ज कर लिया गया है और उसके पूर्व प्रेमी को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया है। जांच के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

राहुल गांधी ने बाइक टैक्सी चालकों को पूर्ण समर्थन दिया

कर्नाटक में संचालन को सुगम बनाने के लिए आश्वासन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक बाइक टैक्सी कल्याण संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने संसद परिसर में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की और कर्नाटक में बाइक टैक्सी सेवाओं के बंद होने पर चिंता व्यक्त की, जिससे छह लाख से अधिक चालकों की आय ठप्प हो गई है।

प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए, गांधी ने कर्नाटक नेतृत्व को इस मुद्दे का तत्काल समाधान करने का निर्देश दिया और कहा कि उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री से पहले ही बात कर ली है। उन्होंने कहा कि वह एक समयबद्ध और स्पष्ट ढाँचे के माध्यम से बाइक टैक्सी चालकों की आजीविका की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं जिससे राज्य में बाइक टैक्सियों का संचालन बिना किसी बाधा के हो सके। चालकों ने बंद के कारण हुई गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का वर्णन किया, जिसमें स्कूल की फीस, किराया और वाहन की ईएमआई का भुगतान करने में कठिनाई शामिल है। कम और अस्थिर आय के कारण, कई लोग अनियमित डिलीवरी नौकरियों में जाने को मजबूर हैं, जिससे कर्ज और भावनात्मक तनाव बढ़ रहा है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी भी ड्राइवरों के साथ एकजुटता व्यक्त करने और उन्हें अपना पूरा समर्थन देने के लिए मौजूद थीं।

एसोसिएशन ने राज्य के समक्ष अपने प्रस्तावों को प्रस्तुत किया, जिनमें उन 17अन्य राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाएँ शामिल हैं जहाँ बाइक टैक्सियों का नियमन होता है और सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशानिर्देश 2025, जो सुरक्षित और कानूनी संचालन के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रदान करते हैं। गांधी ने ज़ोर देकर कहा, लाखों ड्राइवरों की आजीविका को अधर में नहीं लटकाया जा सकता; उनके सम्मान के साथ अपना काम करने के अधिकार की रक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने बीटीए सदस्यों की उपस्थिति में कर्नाटक के परिवहन मंत्री से सीधे बातचीत की और उन्हें जल्द से जल्द बाइक टैक्सी नीति तैयार करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

बीएमटीसी बस की चपेट में आने से लड़की की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बीएमटीसी बस की चपेट में आने से गुरुवार को एक और व्यक्ति की मौत हो गई। यलहंका में कोगिलु क्रॉस के पास बस की चपेट में आने से 10 वर्षीय लड़की की मौत हो गई। मृतक बच्ची का नाम तन्वी (10) है। तन्वी मिलेनियम स्कूल में पाँचवीं कक्षा की छात्रा है। यह घटना उस समय हुई जब उसकी माँ हर्षिता अपनी बेटी को स्कूल छोड़ने जा रही थीं। जब हर्षिता अपनी बेटी को होंडा एक्टिवा पर स्कूल छोड़ने जा रही थी तब यलहंका के कोगिलु मेन रोड पर इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास उनका स्कूटर फिसल गया।

इसी दौरान स्कूटर पर पीछे बैठी तन्वी गिरकर बस के पहियों के नीचे आ गई। बीएमटीसी बस का पहिया उसके ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यलहंका पुलिस ने बीएमटीसी बस को कब्जे में ले लिया है। यलहंका ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा 'धर्मस्थल' मुद्दे पर 'धर्मयुद्ध' आंदोलन शुरू करेगी : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने 'धर्मस्थल' मुद्दे से निपटने के राज्य सरकार के तौर-तरीके की बृहस्पतिवार को निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि धर्मस्थल को बदनाम करने के लिए जारी अभियान के पीछे एक सुनियोजित साजिश है। विजयेंद्र ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान घोषणा की कि भाजपा शुक्रवार से 'धर्मयुद्ध' नामक राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेगी, जो आने वाले हफ्तों में सभी विधानसभा क्षेत्रों में जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि धर्मस्थल के खिलाफ सोशल मीडिया पर चलाए जा रहे अभियान ने लाखों श्रद्धालुओं की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाई है।

विजयेंद्र ने आरोप लगाया, सोशल मीडिया पोस्ट के लिए हिंदू कार्यकर्ताओं के खिलाफ तुरंत प्राथमिकी दर्ज किए जाने और उन्हें गिरफ्तार किए जाने के कई मामले सामने आए हैं, लेकिन धर्मस्थल को बदनाम करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा ने राज्य सरकार के विशेष जांच दल (एसआईटी) का स्वागत किया था और एक पारदर्शी एवं निष्पक्ष जांच का समर्थन किया था।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने सवाल किया, आज भी, हम उस स्थिति पर कायम हैं। लेकिन दुर्भावनापूर्ण प्रचार को रोकने में सरकार की विफलता यह सवाल उठाती है-क्या उसमें कार्रवाई करने की इच्छाशक्ति का अभाव है, या क्या वह इस अभियान को बढ़ावा देने में शामिल है? विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार और पुलिस की निष्क्रियता एक सम्मानित संस्था को निशाना बनाने के एक बड़े, संगठित प्रयास का हिस्सा है।

उन्होंने कहा, यह एक सुनियोजित साजिश है। सरकार की चुप्पी या तो कमजोरी या फिर झूठ फैलाने वालों को जानबूझकर समर्थन देने का संकेत देती है। पूरे कर्नाटक के श्रद्धालु सवाल उठा रहे हैं कि इसके पीछे कौन है और सरकार उन्हें क्यों बचा रही है।

विजयेंद्र ने धर्म की रक्षा के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा, जब आस्था और परंपरा पर हमला हो रहा हो, तो हम मूकदर्शक नहीं बने रहेंगे। भाजपा धर्म की रक्षा और पूरे कर्नाटक में श्रद्धालुओं की भावनाओं के लिए यह लड़ाई-एक धर्मयुद्ध-लड़ेगी। कर्नाटक के 'धर्मस्थल' कस्बे में सामूहिक हत्या, यौन उत्पीड़न और शवों को सामूहिक रूप से दफनाए जाने के गंभीर आरोपों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है, जो कथित तौर पर दो दशकों से अधिक समय से जारी था।

शिकायतकर्ता एक पूर्व सफाई कर्मचारी है, जो 1995 से 2014 के बीच धर्मस्थल में कार्यरत था। उसने आरोप लगाया है कि इस दौरान उसे कई शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया, जिनमें महिलाओं और नाबालिगों के शव भी शामिल थे। शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि कुछ शवों पर यौन उत्पीड़न के निशान थे। उसने अपने दावों के संबंध में मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराए हैं।

धर्मस्थल मामला : भाजपा विधायक ने कांग्रेस सांसद को बताया दुष्प्रचार का मास्टरमाइंड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक जी. जनार्दन रेड्डी ने तमिलनाडु के तिरुवल्लूर से कांग्रेस के सांसद शशिकांत सेंथिल पर नए सिरे से हमला बोलते हुए उन पर दक्षिण कन्नड़ जिले में स्थित कस्बे धर्मस्थल के खिलाफ किए जा रहे दुष्प्रचार का मास्टरमाइंड होने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कर्नाटक कैडर के पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी सेंथिल को चुनौती दी कि अगर सामूहिक रूप से लाशों को दफनाने से जुड़े दुष्प्रचार से कोई संबंध नहीं है, तो उन्हें जांच का सामना करना होगा। कर्नाटक सरकार ने पिछले दो दशकों में धर्मस्थल में कई हत्याओं, बलात्कारों और अवैध तरीके से लाशों को दफनाने के आरोपों के बाद एक विशेष जांच दल का गठन किया था।

मामले में शिकायतकर्ता एक पूर्व सफाई कर्मचारी है, जिसकी पहचान उजागर नहीं की गई है। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि वह 1995 से 2014 के बीच धर्मस्थल में कार्यरत था। उसने आरोप लगाया कि उसे कई शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था – जिनमें महिलाओं और नाबालिगों के शव भी शामिल थे। शिकायतकर्ता का दावा है कि इनमें से कुछ के शवों पर यौन उत्पीड़न के निशान थे।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर के अनुसार, दो स्थानों पर हड्डियां और कंकाल मिले हैं और पुलिस फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। बुधवार को यहां पत्रकारों से बात करते हुए, रेड्डी ने दावा किया था कि सेंथिल धर्मस्थल को बदनाम करने के दुष्प्रचार के मास्टरमाइंड हैं। रेड्डी ने कहा, मेरे आरोप लगाने के बाद सेंथिल ने आज नयी दिल्ली में बयान दिया कि जब वह बेल्लारी में सहायक आयुक्त के पद पर कार्यरत थे, तो उन्होंने मुझसे संबंधित कुछ मामलों के समर्थन में रिकॉर्ड उपलब्ध कराए थे। सेंथिल पर एक बार फिर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए भाजपा विधायक ने कहा कि जब खनन से संबंधित मामले में उनके (रेड्डी) खिलाफ मुकदमे शुरू हुए थे तब सेंथिल सहायक आयुक्त नहीं थे।

रेड्डी ने कहा, मुझे पांच सितंबर, 2011 को गिरफ्तार किया गया था। मेरी गिरफ्तारी के बाद, उन्हें (सेंथिल को) बेल्लारी में तैनात किया गया। मेरे और सेंथिल के बीच कोई संबंध नहीं है।

नफरती भाषण शिकायत को लेकर पुलिस ने एक सामाजिक कार्यकर्ता को किया गिरफ्तार

उडुप्पी। सामाजिक कार्यकर्ता महेश शेट्टी टिमरोडी को नफरती भाषण देने के आरोप में बृहस्पतिवार को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। टिमरोडी के विरुद्ध ब्रह्मवर थाने में एक मामला दर्ज किया गया है जिसमें आरोप लगाया गया है कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता बी एल संतोष के खिलाफ 'अपमानजनक टिप्पणी' की। उडुपी ग्रामीण भाजपा मंडल के अध्यक्ष ने टिमरोडी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए एक औपचारिक शिकायत दर्ज करायी है। जब पुलिस उजीरे स्थित टिमरोडी के आवास पर उन्हें हिरासत में लेने गई, तो तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई, लेकिन अंततः उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

टिमरोडी के खिलाफ अलग-अलग शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिनमें उजीरे के एक निजी अस्पताल के बाहर कथित तौर पर एक अनधिकृत सभा का नेतृत्व करने , विरोध प्रदर्शन को कवर कर रहे पत्रकारों पर हमला करने और मीडिया के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले शामिल हैं। टिमरोडी धर्मस्थल' में कई लोगों को हत्या कर दफनाने के आरोप संबंधी अभियान के मोर्चे पर सबसे आगे हैं। इन दावों की अब विशेष जांच दल (एसआईटी) जांच कर रहा है। टिमरोडी के बयानों और विरोध प्रदर्शनों ने व्यापक तौर पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया है, जिससे यह मंदिर नगरी मीडिया की सुर्खियों और राजनीतिक बहस का विषय बन गई है। पुलिस ने अभी तक 'नफरती भाषण' मामले में लागू कानूनी प्रावधानों का विवरण नहीं दिया है। उसका कहना है कि जांच अभी चल रही है।

सम्मान

बेंगलूरु में गुरुवार को विधान सौधा कार्यालय में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भारत के सबसे तेज़ स्केटर और दोहरे रजत पदक विजेता धनुष बाबू और रजत पदक विजेता सुश्री पूर्वी माथे को सम्मानित किया। इस अवसर पर विधान परिषद के सदस्य और राज्य ओलंपिक संघ के अध्यक्ष गोविंदराजू भी उपस्थित थे।

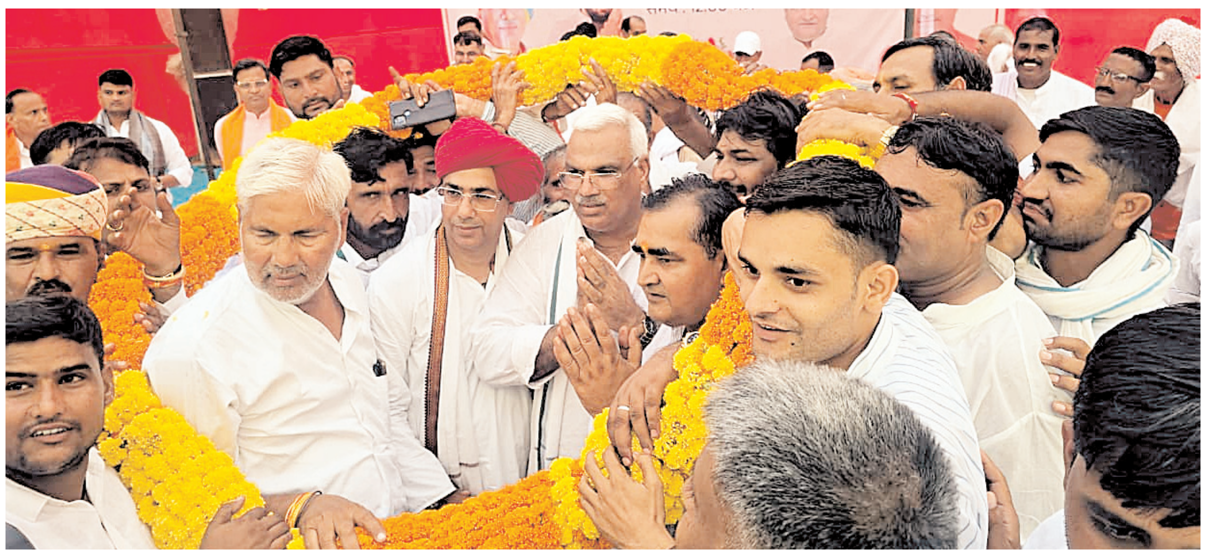

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कृत संकल्पित है राज्य सरकार : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गृह राज्यमंत्री एवं करौली जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढम के द्वारा देवनारायण मन्दिर परिसर, नन्दे भूमिया में आयोजित वार्षिक लक्खी मेले एवं कर्नल किरोडी सिंह बैंसला साहब की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने आमजन से सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए जागरूक रहने व हरियाळो राजस्थान के तहत एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृहद स्तर पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश आमजन को दिया।

बेढ़म ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान से प्रेरणा लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार हरियालो राजस्थान वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश को हरा-भरा बनाने के संकल्प को साकार करने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने आमजन से अधिक से अधिक पौधारोपण कर उनका संरक्षण व संवर्धन की भी बात की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए कृत संकल्पित है और इसके लिए अनेक योजनाएं संचालित कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने कर्नल किरोडी सिंह बैंसला की मूर्ति का अनावरण भी किया।

करौली जिला प्रभारी मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार धार्मिक नगरी जगदीश धाम मंदिर कैमरी को कार्ययोजना के अनुसार कृष्ण गमन पथ से जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार पांचना बांध का पर्यटन स्थल के रूप में विकास किया जा रहा है। प्रदेश में करोडों रूपये के विकास कार्यो के शिलान्यास एवं लोकार्पण कर विकास कार्य करवाये जा रहे है। इस प्रकार करौली जिला अध्यात्मिक, सांस्कृतिक और चहुंमुखी विकास की ओर उतरोत्तर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर होगा। उन्होंने युवा पीढी से अपील की कि वे नशे आदि व्यसनों से दूर रहे और शिक्षा पर अधिक ध्यान दें जिससे जिले, राज्य व देश की प्रगति में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सकें। और प्रदेश की सरकार द्वारा सृजित किये जा रहे रोजगार के अवसरों का लाभ ले सकें। इस अवसर पर करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर सहित जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी और आमजन उपस्थित रहे।

तालाब की खुदाई के दौरान संदिग्ध 'जीवाश्म' जैसे अवशेष मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में तालाब की खुदाई के दौरान बड़ी हड्डी के आकार का एक ढांचा और जीवाश्म जैसे कुछ अवशेष मिले हैं। इससे इस जगह के प्रागैतिहासिक डायनासोर युग से जुड़े होने की संभावना बढ़ गई है। हालांकि इनकी वैज्ञानिक पुष्टि अभी की जानी है।

फतेहगढ़ उपखंड के मेघा गांव में एक तालाब की खुदाई करते समय लोगों को पत्थर की ये विशिष्ट संरचनाएं, बड़े कंकाल जैसा एक ढांचा मिला। इनमें से कुछ टुकड़े जीवाश्म लकड़ी जैसे हैं तो बाकी हड्डियों जैसे दिखते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिमी राजस्थान में जीवाश्म लकड़ी असामान्य नहीं है, लेकिन हड्डी जैसी संरचनाओं की उपस्थिति इस खोज को विशिष्ट बनाती है।

फतेहगढ़ के उपखंड अधिकारी व तहसीलदार ने बुधवार को घटनास्थल का दौरा किया और अवशेषों का निरीक्षण किया। फतेहगढ़ के उपखंड अधिकारी भरतराज गुर्जर ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमने उच्च अधिकारियों को सूचित कर दिया है और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के वैज्ञानिकों के जांच के लिए मौके पर आने की उम्मीद है। पूरी जांच के बाद ही हम जीवाश्म की आयु और प्रकार की पुष्टि कर पाएंगे।

पुरातत्वविद पार्थ जगानी ने कहा, यहां मिली कुछ संरचनाएं पथरीली लकड़ी जैसी दिखती हैं लेकिन एक बड़ी संरचना भी है जो कंकाल जैसी नजर आती है। इन सबका संयोजन बताता है कि ये अवशेष लाखों साल पुराने, संभवतः डायनासोर युग के हो सकते हैं। हालांकि, विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक परीक्षणों से पहले इनके बारे में कोई निष्कर्ष निकालने को लेकर आगाह किया है। प्रोफेसर श्याम सुंदर मीणा ने कहा, ये अवशेष किसी गहरी खुदाई से नहीं निकले बल्कि सतह पर दिखाई दे रहे हैं।

संभव है कि ये अधिक प्राचीन न हों और केवल 50 से 100 साल पुराने हों। केवल कार्बन डेटिंग और वैज्ञानिक विश्लेषण के अन्य तरीकों से ही उनकी सही आयु का पता लगाया जा सकता है। अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध जीवाश्म तालाब के पास पत्थर की चोटियों में धंसे हुए पाए गए, जो अक्सर प्राचीन तलछटी जमावों से जुड़ा होता है। थार रेगिस्तान में पहले भी जीवाश्म लकड़ी मिलने के समाचार आए हैं लेकिन कंकाल जैसी संरचना के साथ संयुक्त खोज इस मामले को विशिष्ट बनाती है।

इस खोज के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जमा हो गए और अवशेषों के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। इस अनूठी खोज से अटकलें लगाई जा रही हैं कि यह स्थल इस इलाके के प्रागैतिहासिक अतीत के नए साक्ष्य प्रदान कर सकता है।

उल्लेखनीय है कि जैसलमेर जिले में पहले भी डायनासोर युग के महत्वपूर्ण जीवाश्म और पैरों के निशान मिले हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह नवीनतम खोज प्रमाणित हो गई तो इससे देश में जीवाश्म विज्ञान अनुसंधान के केंद्र के रूप में राजस्थान का महत्व और बढ़ेगा।

शिक्षा के उन्नयन एवं विकास के लिए राजस्थान को मिलेंगे 3 हजार 200 करोड़ रुपये

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश में हर बच्चे को सुलभ, आधुनिक और समावेशी शिक्षा उपलब्ध कराने तथा शिक्षा के उन्नयन, विकास एवं सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। इस क्रम में मुख्यमंत्री शर्मा के प्रयासों से केन्द्र सरकार ने समग्र शिक्षा, राजस्थान के लिए 3 हजार 200 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। शर्मा द्वारा हाल ही में नई दिल्ली में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से मुलाकात के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 में समग्र शिक्षा, राजस्थान के लिए केन्द्रीय अंश की राशि शीघ्र जारी करने का अनुरोध किया गया था। इस संबंध में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत 3 हजार 200 करोड़ रुपये राज्य को देने के लिए सहमति प्रदान की है। साथ ही, इस राशि की प्रथम किस्त शीघ्र जारी करने का आश्वासन भी दिया है। मुलाकात के दौरान शर्मा ने समग्र शिक्षा के तहत राज्य में शिक्षा विभाग की प्रगति, नीति एवं भविष्य में किये जाने वाले कार्य के सम्बन्ध में भी केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को जानकारी दी।

प्रदेश के विकास के लिए हम प्रतिबद्ध हैं : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के प्रयासों से गुरुवार को पीडब्ल्यूडी संवेदकों द्वारा लगभग 70 दिन से जारी हड़ताल समाप्त हो गई। आपसी सहमती से तैयार किए गये समझौता पत्र पर हस्ताक्षर के बाद संवेदक संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने सरकार एवं उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का आभार जताया। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा है कि हमारी सरकार राजस्थान के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है। हमने संवेदकों द्वारा उठाई गई मांगो पर सकारात्मक चर्चा करके उनके सकारात्मक समाधान के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि विकास को प्राथमिक लक्ष्य रखकर हम सभी पक्षों के हितों का ध्यान रखकर आगे बढ़ रहे हैं।

इससे पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव पीडब्ल्यूडी प्रवीण गुप्ता के कक्ष में संवेदक संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने समझौता पत्र पर हस्ताक्षर कर उन्हें समझौता पत्र सौंपा।

पदाधिकारियों ने बताया कि निर्माण कार्यों की निविदाओं में जीएसटी को अलग कर निविदाएं आमंत्रित करने, सीमेंट कंकरीट सड़क निर्माण कार्यों में पीक्यूसी की मोटाई 20 सेमी तक के कार्यों के लिए डीएलपी (गारंटी अवधि) 5 वर्ष रखने सहित विभिन्न बिन्दुओं पर सहमति बन गई है। इसके साथ ही अन्य बिंदुओं पर विचार करने के लिए एक संयुक्त समिति गठित करने के निर्देश दिए गए हैं जिसमे संवेदकों के दो प्रतिनिधि एवं विभाग के अधिकारी शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि हम सरकार की इस सकारात्मक पहल का स्वागत करते हैं और विश्वास दिलाते हैं कि प्रदेश के विकास में कंधे से कंधा मिलाकर सरकार का सहयोग करेंगे। इस दौरान संघर्ष समिति के पदाधिकारियों बीएस राव, रामसिंह शेखावत, मोहर सिंह सोलाना, नरेन्द्र सिंह सोलंकी, किरोड़ी मल मोदी, अंजन चौधरी, भूरा राम चौधरी ,सुनील गर्ग, महेश गहलोत सहित पीडब्ल्यूडी के शासन सचिव डीआर मेघवाल, मुख्य अभियंता टीसी गुप्ता सहित अन्य अधिकारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जनमत को कुचलने एवं भाजपा की सरकार बनाने की चाल : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने आरोप लगाते हुए कहा है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ऐसा कानून बना रही है जो यह न सिर्फ विपक्षी नेताओं की राजनीति समाप्त करने का प्रयास है बल्कि हर राज्य में सरकार अस्थिर कर जनमत को कुचलने एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनाने की चाल है। गहलोत गुरुवार को अपने बयान में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि अब राजग सरकार ऐसा कानून बना रही है जिससे किसी भी ऐसे महत्वपूर्ण पद पर कार्य कर रहे नेता को गिरफ्तार कर जेल में डालकर पद से बर्खास्त कर दिया जाएगा। यह न सिर्फ विपक्षी नेताओं की राजनीति समाप्त करने का प्रयास है बल्कि हर राज्य में सरकार अस्थिर कर जनमत को कुचलने एवं भाजपा की सरकार बनाने की चाल है। उन्होंने कहा कि गत दस वर्षों में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जिनमें राज्यों में मुख्यमंत्री, मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर रहे विपक्षी नेताओं को जेल में डाला गया और कई महीनों तक उनकी जमानत तक नहीं हुई लेकिन ट्रायल के बाद ये नेता निर्दोष साबित हुए। ऐसी गिरफ्तारियों की वजह केवल भाजपा सरकार का राजनीतिक प्रतिशोध था। अब राजग सरकार ऐसा कानून बना रही है जिससे किसी भी ऐसे महत्वपूर्ण पद पर कार्य कर रहे नेता को गिरफ्तार कर जेल में डालकर पद से बर्खास्त कर दिया जाएगा। यह न सिर्फ विपक्षी नेताओं की राजनीति समाप्त करने का प्रयास है बल्कि हर राज्य में सरकार अस्थिर कर जनमत को कुचलने एवं भाजपा की सरकार बनाने की चाल है। गहलोत ने कहा कि सिर्फ विपक्षी ही नहीं, सत्ता पक्ष के भी ऐसे नेता जो शीर्ष नेतृत्व की इच्छा अनुरूप काम नहीं करेंगे उन्हें भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एवं केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा गिरफ्तार कर इस कानून के तहत गिरफ्तार कर बर्खास्त करेंगे जिससे उनकी पब्लिक इमेज भी खराब की जा सके। उन्होंने कहा कि ऐसे घोर अलोकतांत्रिक एवं तानाशाही मानसिकता को बढ़ावा देने वाले बिल का सभी दलों को विरोध करना चाहिए।

रिश्तेदार के लिए नवजात का अपहरण करने वाला व्यक्ति राजस्थान में गिरफ्तार

नयी दिल्ली/जयपुर। मध्य दिल्ली से एक नवजात का अपहरण कर उसे अपने एक रिश्तेदार को कथित तौर पर बेचने की कोशिश करने वाले आरोपी व्यक्ति को पुलिस ने राजस्थान के खेतड़ी से गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि नवजात को सुरक्षित ढूंढकर उसकी मां को सौंप दिया गया जबकि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस उपायुक्त (मध्य) निधिन वलसन ने बताया कि आरोपी की पहचान जितेंद्र कुमार (32) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि घटना 19 अगस्त को उस समय हुई, जब चेन्नई की रहने वाली एक महिला अपने बच्चे के साथ दिल्ली में एक रिश्तेदार से मिलने के लिए ट्रेन से यहां पहुंची। महिला ने पुलिस को बताया कि कुमार ने यात्रा के दौरान उससे दोस्ती की, लगभग दो घंटे तक उससे बात की और उसका विश्वास जीत लिया। उपायुक्त ने बताया, शिकायत के अनुसार, आरोपी ने महिला के साथ उसके रिश्तेदार के घर चलने की पेशकश की। रास्ते में, वह एक कपड़े की दुकान पर रुका, महिला को 150 रुपये दिए और उस बच्चे के लिए एक ड्रेस खरीदने को कहा और बच्चे को गोद में लेकर बाहर इंतजार करने लगा।

पहला प्रवासी राजस्थानी दिवस 10 दिसम्बर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार 9-10 दिसंबर को 'राइजिंग राजस्थान' पार्टनरशिप कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन करेगी। कॉन्क्लेव के दौरान 10 दिसंबर को पहला प्रवासी राजस्थानी दिवस भी आयोजित किया जाएगा। पिछले वर्ष आयोजित 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अनुवर्ती कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जा रहा यह साझेदारी सम्मेलन विभिन्न क्षेत्रों में रणनीतिक औद्योगिक गठबंधनों और साझेदारियों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा। यह प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय और बहुपक्षीय संगठनों के साथ राजस्थान की साझेदारियों को भी सुदृढ़ करेगा। पिछले वर्ष आयोजित इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हस्ताक्षरित निवेश प्रस्तावों के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

सम्मेलन के दौरान राजस्थान की अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों और नए निवेश के उभरते क्षेत्रों, युवा एवं महिला, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, ऊर्जा एवं उद्योग पर केंद्रित विषयगत सत्र भी आयोजित किए जाएँगे। साझेदारी सम्मेलन को बढ़ावा देने के लिए निवेशक रोड शो की श्रृंखला भी आयोजित की जाएगी। इनमें दिल्ली, हैदराबाद, सूरत और कोलकाता में राष्ट्रीय रोड शो के साथ-साथ संयुक्त अरब अमीरात में एक अंतर्राष्ट्रीय रोड शो भी शामिल है।

पार्टनरशिप कॉन्क्लेव से पहले राजस्थान के विकास में खनन एवं पेट्रोलियम तथा पर्यटन जैसे क्षेत्रों की भूमिका पर प्रकाश डालने वाले पूर्व-शिखर सम्मेलन भी आयोजित किए जाएँगे। मुख्यमंत्री ने पिछले वर्ष आयोजित वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन के दौरान प्रवासी राजस्थानी दिवस आयोजित करने की घोषणा की थी। यह समारोह न केवल प्रवासी राजस्थानी समुदाय को एक साथ आने और अपनी साझा पहचान का जश्न मनाने का अवसर प्रदान करेगा बल्कि उन्हें अपनी जड़ों की ओर लौटने और राज्य के समग्र विकास में निवेश करने का एक मंच भी प्रदान करेगा। एक दिवसीय प्रवासी दिवस में आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल आदि राज्यों के प्रवासी वक्ता शामिल होंगे और दो विषयगत सत्र भी आयोजित किए जाएँगे। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में प्रवासी समुदाय द्वारा अर्जित प्रसिद्धि का सम्मान करते हुए और राजस्थान के विकास में उनके योगदान का जश्न मनाते हुए सरकार प्रमुख प्रतिभागियों को प्रवासी राजस्थानी सम्मान पुरस्कार (झठड-) भी प्रदान करेगी। यह पुरस्कार व्यवसाय, विज्ञान, कला, उद्योग, परोपकार, समाज सेवा, संगीत और अन्य क्षेत्रों में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए भी प्रतिभागियों को प्रदान किया जाएगा।

गौरतलब है कि दिसंबर, 2024 में आयोजित 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 में 35 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए थे। इन्वेस्टमेंट समिट के बाद मात्र आठ महीनों में ही 4.25 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों सम्बंधी कार्यों का शिलान्यास शुरू हो चुका है, जो समझौता ज्ञापनों के कार्यान्वयन में तेजी लाने और उद्योगों के साथ साझेदारी को मजबूत करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राजस्थान में स्थापित होगी 'लैंग्वेज लैब', युवाओं के लिए विदेशों में नौकरी की राह होगी आसान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश के युवाओं की प्रतिभा को अंतर्राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने की दिशा में प्राथमिकता से कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री का मानना है कि युवाओं को सही दिशा देकर उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जा सकता है। साथ ही, युवाओं को सशक्त बनाकर ही विकसित राजस्थान की परिकल्पना को साकार किया जा सकेगा। इसी दिशा में राज्य सरकार की पहल पर प्रदेश में इंग्लिश एण्ड फॉरेन लैंग्वेज यूनिवर्सिटी और केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा 'लैंग्वेज लैब' स्थापित की जाएगी। लैंग्वेज लैब में युवाओं को अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पैनिश, जापानीज जैसी विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे इन भाषाओं में पारंगत बन सकें और उनके लिए विदेशों में रोजगार की राह प्रशस्त हो सके। लैंग्वेज लैब में युवाओं को मिलने वाले विदेशी भाषाओं के प्रशिक्षण से उनके कौशल में बढ़ौतरी होगी। यह पहल युवाओं को विदेशों के साथ ही देश में भी पर्यटन, व्यापार, आईटी, शिक्षा और सेवा क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने में कारगर साबित होगी।

उल्लेखनीय है कि राज्य में औद्योगिक परिदृश्य को नए आयाम देने के लिए राज्य सरकार द्वारा गत वर्ष राइजिंग राजस्थान ग्लोबल निवेश समिट का आयोजन किया गया था। इस समिट के दौरान राज्य सरकार एवं विभिन्न उद्यमियों के बीच लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। समिट के दौरान विभिन्न बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने प्रदेश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में रूचि दिखाई थी।

देवासी ने सिरोही में किया सीसी सड़क का लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने गुरूवार को सिरोही जिले के रुखाड़ा में रेबारी वास में सीसी सड़क निर्माण कार्य व नाली निर्माण कार्य का विधिवत रूप से लोकार्पण किया।

यह सड़क राज्य वित्त आयोग षष्टम जिला परिषद द्वारा निर्मित की गई है जिसकी लागत राशि 20.75 लाख रुपए हैं। यहां बारिश के समय में पानी भराव की बड़ी समस्या थी यह सड़क बनने के बाद पानी भरने की समस्या से आमजन को राहत मिलेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री देवासी ने कहा कि आमजन के कल्याण के कार्यों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार विकास कार्यों को प्राथमिकता से करवाने के लिए तत्पर है उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण से आमजन को राहत मिलेगी।

खाद्य सुरक्षा सूची से 54 हजार से अधिक लोगों ने हटाया नाम

जयपुर/दक्षिण भारत । खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने गुरुवार को चित्तौड़गढ जिला परिषद के ग्रामीण विकास अधिकरण सभागार में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना एवं गिव अप अभियान की प्रगति की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में मंत्री गोदारा ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जरूरतमंद परिवारों को सस्ती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध करवाने के लिए गिव अप अभियान महत्वपूर्ण कदम है। अभियान के तहत चित्तौड़गढ़ जिले में अब तक 54 हजार 272 व्यक्तियों ने स्वेच्छा से योजना से नाम हटाकर उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस पहल से जरूरतमंद और गरीब परिवारों को योजना का सीधा लाभ सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने कहा कि गिव अप अभियान की सफलता का परिणाम है कि जिले में अब तक 1 लाख 23 हजार नए पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ा गया है। यह कदम खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाने और पारदर्शिता लाने में मील का पत्थर साबित होगा।

मंत्री गोदारा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नए लाभार्थियों को समय पर राशन कार्ड जारी कर योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि खाद्यान्न वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा शिकायतों के त्वरित निस्तारण को प्राथमिकता दी जाएगी।

अधिकारी आमजन की परिवेदनाओं का संवेदनशीलता के साथ त्वरित एवं प्रभावी निराकरण करें : सुधांश पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने गुरुवार को शासन सचिवालय में वीसी के माध्यम से वित्तीय समावेशन तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के देशव्यापी संतृप्तता अभियान के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जिला वार प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान प्रमुख शासन सचिव, राजस्व दिनेश कुमार ने डिजिटल क्रॉप सर्वे तथा फार्मर रजिस्ट्री की जिलावार प्रगति से अवगत करवाया।

बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि संतृप्तता अभियान को मिशन मोड में आगे बढ़ाते हुए समयबद्ध एवं पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का उद्देश्य केवल संख्या बढ़ाना नहीं है बल्कि अधिक से अधिक लोगों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है, जिससे उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से किसानों को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होंगे, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और कृषि क्षेत्र को भी नई दिशा मिलेगी।

गौरतलब है कि प्रदेश में वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार एक जुलाई से 30 सितंबर तक देशव्यापी अभियान का संचालन किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर तक बैंकिंग, बीमा एवं पेंशन जैसी जरुरी वित्तीय सेवाओं को आमजन की पहुँच तक सुलभ किया जा सकेगा।

बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि अधिकारी आमजन की परिवेदनाओं का और अधिक संवेदनशीलता के साथ त्वरित एवं प्रभावी निराकरण करें। उन्होंने जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान यह सुनिश्चित करें की आमजन को तय समय सीमा में राहत मिले और वे कार्यवाही से संतुष्ट हों।

मुख्य सचिव पंत ने कहा कि पब्लिक डीलिंग से संबंधित विभागों के अधिकारी और अधिक विनम्रता एवं संवेदनशीलता बरतते हुए आमजन के कार्यों का निष्पादन करें। उन्होंने समस्त संभागीय आयुक्त को निर्देश दिए कि वे सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों के कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग करें और प्रगति की समीक्षा करते रहें।

विधेयक पर सवाल उठाने वालों का डरना स्वाभाविक, अपराधियों से भरी पड़ी है कांग्रेस : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीगढ़/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बृहस्पतिवार को विपक्ष कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप) और उनके सहयोगी दलों को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि (प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को उनके पद से हटाने के प्रावधान वाले) विधेयक पर सवाल उठाने वालों का डरना स्वाभाविक है क्योंकि उनकी पार्टियां अपराधियों से भरी पड़ी है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिहं की पुण्यतिथि एवं तृतीय हिंदू गौरव दिवस के अवसर पर यहां प्रधान ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और उनके सहयोगी दलों को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा, विधेयक पर सवाल उठाने वालों का डरना स्वभाविक है क्योंकि उनकी पार्टियां अपराधियों से भरी पड़ी है। राममंदिर आंदोलन के दौरान कल्याण सिंह द्वारा रामभक्तों पर गोली चलाने के आदेश पर हस्ताक्षर न करने और सत्ता से त्यागपत्र दे देने तथा केजरीवाल के भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जाने के बाद भी सत्ता न छोड़ने का उदाहरण देते हुए प्रधान ने कांग्रेस एवं विपक्ष की नैतिकता पर सवाल उठाया। उन्होंने कल्याण सिंह को याद करते हुए कहा कि वह केवल एक व्यक्ति या नेता नहीं बल्कि एक विचार एवं अनुष्ठान थे। एक बयान के मुताबिक प्रधान ने कहा, कल एक विधेयक संयुक्त संसदीय समिति के सामने रखा गया। उस विधेयक में कहा गया कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्र एवं मंत्री अगर जेल जाते हैं तो उनको 30 दिन के अंदर गद्दी छोड़ना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि 11 वर्षों से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री हैं और अगले एक दशक तक वही प्रधानमंत्री रहेंगे, इसके बावजूद उन्होंने कानून लाया कि चाहे प्रधानमंत्री हों, मुख्यमंत्री हों या कोई भी मंत्री हो उसे गिरफ्तारी के 30 दिन के अंदर गद्दी छोड़नी पड़ेगी। उन्होंने कहा, कल्याण सिंह को भी 1991 में रामभक्तों पर गोली चलाने से मना करने की कीमत चुकानी पड़ी थी। यह कोई अपराध नहीं था बल्कि एक राष्ट्र गौरव के काम को उन्होंने आगे बढ़ाया। मगर केन्द्र में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी की सरकार ने कल्याण सिंह की सरकार को बर्खास्त कर दिया था। मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी उन्होंने ऐसा किया।

कल्याण सिंह जी का पूरा जीवन भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीयता और जनता की सेवा को समर्पित रहा : योगी

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि देने के बाद कहा कि 'बाबूजी' (कल्याण सिंह) का पूरा जीवन भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीयता और जनता की सेवा को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि सिंह की विरासत ही आज राज्य के विकास की आधारशिला बनी है। मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की चौथी पुण्यतिथि पर आयोजित हिन्दू गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए।

एक बयान के मुताबिक योगी आदित्यनाथ ने कहा, बाबूजी का जन्म अलीगढ़ जिले के एक छोटे से किसान परिवार में हुआ था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से उन्हें बचपन में ही राष्ट्रीयता के संस्कार मिले। शिक्षक के रूप में और फिर भाजपा कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने अपना जीवन भारत माता और भारतीयता के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा, ''आज उनकी पुण्यतिथि पर प्रदेश की जनता की ओर से, हर रामभक्त की ओर से और उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। योगी ने कहा कि भारतीय राजनीति में बाबूजी को जो भी जिम्मेदारी मिली, उन्होंने अपने आदर्शों की अमिट छाप छोड़ी। योगी का कहना था कि 1977 में स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए सिंह ने स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दी। सन् 1990 में जब उत्तर प्रदेश की स्थिति बिगड़ी हुई थी, तब उन्होंने कानून का राज स्थापित कर सुशासन का लक्ष्य सामने रखा। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने विरासत और विकास की यात्रा को साथ-साथ आगे बढ़ाने का काम किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''कांग्रेस ने 1992 में अलोकतांत्रिक तरीके से उनकी सरकार को बर्खास्त किया था। उस कठिन समय में उन्होंने बिना देर किए राम जन्मभूमि आंदोलन के लिए अपने पद का बलिदान दिया। उन्होंने कहा, ''जब विवादित ढांचा गिरा, तब कल्याण सिंह जी ने जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली। उन्होंने कहा कि किसी रामभक्त को आंच नहीं आनी चाहिए। उन्होंने साहस दिखाकर श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया।

नोरा फतेही जैसी दिखने के लिए पत्नी से जबरन कराता था घंटों व्यायाम, मुकदमा दर्ज

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। गाजियाबाद जिले में एक अजीबोगरीब मामले में महिला ने पति और ससुराल पक्ष के अन्य लोगों पर बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही की तरह दिखने के लिए जबरन घंटों तक सख्त व्यायाम कराने और इससे इनकार करने पर खाना नहीं देने व दहेज उत्पीड़न के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि महिला ने अपने ससुराल पक्ष के लोगों पर जबरन गर्भपात कराने का भी आरोप लगाया है। महिला ने शिकायत में कहा है कि उसकी शादी छह महीने पहले हुई थी। उसके परिवार ने शादी पर 76 लाख रुपए से ज्यादा खर्च किए थे। इसके बावजूद उसका पति और ससुराल के अन्य लोग उसे दहेज के लिए परेशान करते थे। महिला ने आरोप लगाया कि उसका पति उसकी शारीरिक बनावट को लेकर लगातार ताने मारता था तथा वह उसे ''मोटी और बदसूरत'' भी कहता था। उसका पति शारीरिक शिक्षा का अध्यापक है। शिकायत में कहा गया है कि उसका पति और ससुराल वाले उससे कथित तौर पर रोज़ाना तीन घंटे कसरत करने की मांग करते थे और अगर वह ऐसा नहीं करती तो उसे खाना नहीं देते थे।

अठारह साल की आयु से अधिक के व्यक्ति असम में पहली बार आधार कार्ड नहीं बनवा पाएंगेः हिमंत

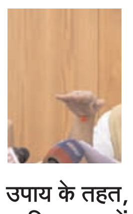

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि अवैध प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्राप्त करने से रोकने के लिए एहतियाती उपाय के तहत, 18 वर्ष से अधिक की आयु के व्यक्ति राज्य में पहली बार आधार कार्ड नहीं बनवा पाएंगे। उन्होंने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि 18 साल से अधिक की आयु के व्यक्तियों को आधार कार्ड का आवेदन करने के लिए केवल एक महीने का समय दिया जाएगा, बशर्ते कि अभी तक आधार कार्ड नहीं बनवाया हो।

हालांकि, उन्होंने कहा कि चाय बागानों में रहने वाले आदिवासी, 18 वर्ष से अधिक आयु के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को अगले एक साल तक आधार कार्ड जारी किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा, आधार कार्ड जारी करने पर प्रतिबंध लगाने के फैसले को नागरिकों की पहचान की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के प्रयासों का हिस्सा माना जा रहा है। यह कदम पिछले एक साल में बांग्लादेश से संभावित घुसपैठ से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के प्रति सरकार द्वारा ध्यान दिए जाने को प्रदर्शित करता है।

कल्याण सिंह को मिले भारत रत्न, अलीगढ़ का नाम बदलकर हरिगढ़ रखा जाए : मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बृहस्पतिवार को पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की चौथी पुण्यतिथि पर उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित करने और अलीगढ़ का नाम बदलकर 'हरिगढ़' करने की मांग की।

मौर्य ने यहां 'हिंदू गौरव दिवस' समारोह को संबोधित करते हुए कहा, बाबूजी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए। यही मेरी इच्छा है। उन्होंने हाल में कुछ शहरों के नाम बदले जाने का जिक्र करते हुए कहा, आप सभी जानते हैं कि अयोध्या का नाम पहले फैजाबाद था लेकिन हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उसका नाम अयोध्या कर दिया गया। इसी तरह प्रयागराज को पहले इलाहाबाद के नाम से जाना जाता था। अभी दो दिन पहले ही शाहजहांपुर के जलालाबाद का नाम बदलकर परशुरामपुरी कर दिया गया था.... तो फिर अलीगढ़ का नाम बदलकर हरिगढ़ करने में कोई देर नहीं होनी चाहिए। इस दौरान मंच पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय कैबिनेट मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और जितिन प्रसाद भी मौजूद थे। मौर्य ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला करते हुए कहा, यह तथाकथित पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फूट डालो और राज करो के अलावा कुछ नहीं है। बाबूजी (पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह) की पुण्यतिथि पर हम सपा की साइकिल (पार्टी) को उखाड़ फेंकने का संकल्प लेते हैं। यही बाबूजी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मुस्लिम महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए बिहार सरकार ने कई कदम उठायेः नीतीश कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार ने उन मुस्लिम महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं जिन्हें उनके पतियों ने छोड़ दिया है। कुमार ने कहा कि बिहार सरकार ने राज्य में मुस्लिम लड़कियों और लड़कों की शिक्षा को समर्थन देने के लिए विभिन्न उपाय भी किए हैं।

बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड के शताब्दी समारोह पर आयोजित एक कार्यक्रम में कुमार ने कहा, जिन मुस्लिम महिलाओं को उनके पतियों द्वारा छोड़ दिया जाता है, उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है... ऐसी मुस्लिम महिलाओं की स्थिति में सुधार और समर्थन के लिए, राज्य सरकार ने 2007 में 10,000 रुपए प्रति माह की वित्तीय सहायता शुरू की। यह राशि अब बढ़ाकर 25,000 रुपए प्रति माह कर दी गई है। उन्होंने कहा, मुस्लिम लड़के-लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए राज्य सरकार का अल्पसंख्यक कल्याण विभाग कई योजनाएं चला रहा है। कुमार ने कहा कि यदि शादी के बाद महिलाओं को छोड़ दिया जाए तो उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि 2005 से पहले राज्य में मुस्लिम समुदाय के लिए कोई काम नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि 2005 में राजग की सरकार बनने के बाद, मुस्लिम समुदाय के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गईं। उन्होंने कहा, पहले अक्सर हिंदू-मुस्लिम झगड़े होते थे। इसलिए, 2006 से कब्रिस्तानों की बाड़ लगाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। बड़ी संख्या में कब्रिस्तानों की बाड़ लगाई जा चुकी है और अब ऐसा कोई झगड़ा नहीं होता। कुमार ने कहा, पहले मदरसों की हालत बहुत दयनीय थी। मदरसा शिक्षकों को अच्छा वेतन नहीं मिलता था। वर्ष 2006 के बाद मदरसों का पंजीकरण हुआ और उन्हें सरकारी मान्यता मिली। अब मदरसा शिक्षकों को सरकारी स्कूल के शिक्षकों के बराबर वेतन मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2005 के चुनाव से पहले कई दंगे हुए थे, जिनमें 1989 का भागलपुर दंगा भी शामिल था, लेकिन न तो तत्कालीन सरकार और न ही बाद की सरकारों ने उचित जांच कराई। नवंबर 2005 में जैसे ही हम सत्ता में आये,, पूरी जांच कराई गई, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की गई और दंगा पीड़ितों को मुआवजा दिया गया। कुमार ने कहा कि दंगा प्रभावित परिवारों को पेंशन के माध्यम से सहायता प्रदान की जा रही है।

म्यांमा से बाहरी लोगों का आना 'वास्तविक' है और निरंतर 'जारी' हैः बीरेन सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने म्यांमा से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वाले लोगों की बायोमेट्रिक जानकारियां एकत्र करने के लिए असम राइफल्स की सराहना की। असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेरा ने बुधवार को मणिपुर विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि 31 दिसंबर 2024 से अर्धसैनिक बल ने यहां आने वाले 42,000 लोगों के बारे में पूरी जानकारी जुटा ली है। लखेरा के संबोधन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सिंह ने असम राइफल्स की तारीफ की। उन्होंने लखेरा के संबोधन की वीडियो क्लिप भी साझा की। सिंह ने कहा, मैं लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेरा, एवीएसएम, एसएम, डीजी असम राइफल्स को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने पुष्टि की है कि अवैध रूप से भारत-म्यांमा सीमा पार करके भारत आने वालों की बायोमेट्रिक जानकारियां एकत्र की जा रही हैं।

उप राष्ट्रपति चुनाव किसी व्यक्ति नहीं, भारत की अवधारणा की अभिपुष्टि के बारे में है : रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उप राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी ने बृहस्पतिवार को नामांकन दाखिल करने के बाद कहा कि यह चुनाव किसी व्यक्ति के बारे में नहीं, बल्कि भारत की अवधारणा की अभिपुष्टि करने के बारे में है, जहां संसद निष्ठापूर्वक कार्य करे, असहमति का सम्मान किया जाए और संस्थाएं स्वतंत्रता एवं निष्पक्षता के साथ लोगों की सेवा करें। रेड्डी ने एक बयान में कहा, आज, मुझे विपक्षी दलों के संयुक्त उम्मीदवार के रूप में भारत के उप राष्ट्रपति पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

मैंने यह नामांकन पत्र विनम्रता, जिम्मेदारी और हमारे संविधान में निहित मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की गहरी भावना के साथ दाखिल किया। उन्होंने कहा उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, विधि के छात्र और इस गणराज्य की लोकतांत्रिक परंपराओं में निहित एक नागरिक के रूप में सार्वजनिक जीवन ने उन्हें यह सिखाया है कि भारत की असली ताकत प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, संवैधानिक नैतिकता की रक्षा और देश की विविधता में एकता में निहित है। रेड्डी ने कहा, यह चुनाव केवल एक व्यक्ति के बारे में नहीं है। यह हमारे राष्ट्र निर्माताओं द्वारा परिकल्पित उस भारत की अवधारणा की अभिपुष्टि करने के बारे में है, जहां संसद निष्ठापूर्वक कार्य करे, असहमति का सम्मान किया जाए और संस्थाएं स्वतंत्रता व निष्पक्षता के साथ लोगों की सेवा करें। राज्यसभा के सभापति के रूप में उप राष्ट्रपति पर संसदीय लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं की रक्षा करने की ज़िम्मेदारी है।

उप राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार रेड्डी ने नामांकन दाखिल किया

नई दिल्ली/भाषा। उप राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने बृहस्पतिवार को नामांकन दाखिल किया।

बी. सुदर्शन रेड्डी के नामांकन पत्र के चार सेट दाखिल किए गए हैं, जिन पर कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, द्रमुक के तिरुचि शिवा सहित करीब 160 सांसदों ने बतौर प्रस्तावक और अनुमोदक हस्ताक्षर किए हैं।

नामांकन दाखिल करने के मौके पर सोनिया, खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, तिरुचि शिवा और विपक्ष के कई अन्य नेता मौजूद थे।

मानसून सत्र चढ़ा एसआईआर पर हंगामे की भेंट : लोस की उत्पादकता रही 31 फीसदी, रास की 39 प्रतिशत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद का मानसून सत्र बृहस्पतिवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया और इस दौरान मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण लगातार गतिरोध बना रहा। इसके कारण लोकसभा की उत्पादकता जहां महज 31 घंटे प्रतिशत रही वहीं राज्यसभा में यह 39 फीसदी रही।

लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से पहले अपने पारंपरिक संबोधन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मानसून सत्र के दौरान कार्यवाही में गतिरोध बनाए रखने पर विपक्षी दलों के प्रति निराशा प्रकट करते हुए कहा कि नियोजित तरीके से सदन के कामकाज में व्यवधान पैदा किया गया जो लोकतंत्र और सदन की मर्यादा के अनुरूप नहीं है।

इसी प्रकार राज्यसभा में उपसभापति हरिवंश ने सत्र के दौरान लगातार बने गतिरोध पर निराशा जताते हुए कहा, सूचीबद्ध कार्यों पर सार्थक और सुचारू चर्चा सुनिश्चित करने के आसन के भरसक प्रयासों के बावजूद, यह सत्र दुर्भाग्यवश बार-बार व्यवधानों के कारण बाधित रहा, जिसके परिणामस्वरूप बार-बार कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इससे न केवल बहुमूल्य संसदीय समय की हानि हुई, बल्कि हमें लोक महत्व के कई मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर भी नहीं मिला।

मानसून सत्र के दौरान कामकाज के लिए 120 घंटे उपलब्ध थे किंतु इस दौरान लोकसभा में केवल 37 घंटे और राज्यसभा में मात्र 41 घंटे 15 मिनट कामकाज हो पाया। सत्र के दौरान दोनों सदनों में कुल 15 विधेयक पारित किए गए। इस दौरान सरकार ने लोकसभा में कुल 14 विधेयक पेश किए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के भारी हंगामे के बीच बुधवार को 'संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025' पेश किए। इनमें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए जाने और लगातार 30 दिन तक हिरासत में रहने पर पद से हटाए जाने का प्रावधान है। लोकसभा में जब गृह मंत्री इन तीनों विधेयकों को पेश कर रहे थे, उस समय विपक्ष के कुछ सदस्यों को उनके सामने कुछ कागज फाड़कर फेंकते देखा गया। सरकार ने इन तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव किया, जिसे दोनों सदनों ने मंजूरी दे दी।

बीसीसीआई को आगामी चुनाव नए अधिनियम के अनुसार कराना चाहिए : खेल मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्रालय चाहता है कि बीसीसीआई सितंबर में होने वाले अपने चुनाव राष्ट्रीय खेल प्रशासन कानून के तहत कराये लेकिन अगर तब तक नए अधिनियम के नियमों की अधिसूचना जारी नहीं होती है तो चुनाव उच्चतम न्यायालय द्वारा स्वीकृत लोढा समिति की सिफारिशों के अनुसार भी कराये जा सकते हैं। खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा, वैसे तो चुनाव अधिनियम के अनुसार ही कराये जाने चाहिए लेकिन अगर तब तक इसके नियमों की अधिसूचना जारी नहीं होती है तो वे लोढा समिति की सिफारिशों के तहत भी करा सकते हैं। सूत्र ने कहा, एक बार नियमों की अधिसूचना जारी होने पर बीसीसीआई समेत सभी राष्ट्रीय महासंघों को इसके अनुसार चुनाव कराने होंगे। लोढा समिति की सिफारिशों के तहत पदाधिकारियों की आयुसीमा 70 वर्ष के भीतर रहनी चाहिए लेकिन नए अधिनियम में 70 से 75 वर्ष के बीच के उम्मीदवार भी चुनाव लड़ सकते हैं अगर अंतरराष्ट्रीय महासंघ के नियम इसकी अनुमति देते हैं। आईसीसी के नियमों में पदाधिकारियों के लिए कोई आयु सीमा नहीं है।

आतंकवाद के अपराधी की तुलना सीमा पार आतंकवाद के पीड़ित से नहीं की जा सकती : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने राज्यसभा में कहा कि आतंकवाद के अपराधी यानी पाक की तुलना सीमा पार आतंकवाद के शिकार यानी भारत से नहीं की जा सकती। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा, भारत सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद के अपराधी, यानी पाक की तुलना सीमा पार आतंकवाद के शिकार, यानी भारत से नहीं की जा सकती। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद वार्ताकारों के साथ इस स्पष्ट संदेश को लगातार दोहराया गया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न वैश्विक राजधानियों का दौरा करने वाले सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों ने भी भारत के मजबूत राष्ट्रीय आम सहमति और सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए दृढ़ दृष्टिकोण का प्रदर्शन करते हुए उपरोक्त संदेश को जोरदार तरीके से व्यक्त किया।

वोटर अधिकार यात्रा फिर शुरू, तेजस्वी ने नीतीश सरकार पर विचारों की नकल का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शेखपुरा/भाषा। बिहार में विपक्ष की 'वोटर अधिकार यात्रा' बृहस्पतिवार को एक दिन के अंतराल के बाद फिर से शुरू हो गई। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार सरकार पर 'दूरदर्शिता के अभाव' और 'केवल उनके विचारों की नकल करने' का आरोप लगाया।

यादव ने यह भी कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपराह्न तक दिल्ली से वापस आएंगे और यात्रा में शामिल होंगे।

शेखपुरा जिले में यात्रा के फिर से शुरू होने पर यादव के साथ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा)-मार्क्सवादी-लेनिनवादी (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, कांग्रेस की बिहार इकाई के अध्यक्ष राजेश कुमार और विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी सहित अन्य लोग शामिल हुए। यादव ने कहा, हम बड़े भाई राहुल गांधी के आभारी हैं कि उन्होंने इस यात्रा के लिए इतना समय दिया। उपराष्ट्रपति चुनाव से संबंधित उनके कुछ जरूरी काम हैं। वह दोपहर बाद हमारे साथ शामिल होंगे।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को सासाराम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद जैसे नेताओं की मौजूदगी में इस यात्रा को हरी झंडी दिखाई थी। यादव ने राज्य की नीतीश कुमार सरकार पर 'दूरदर्शिता के अभाव' और 'केवल उनके विचारों की नकल करने' का आरोप लगाया।

राजद नेता ने कहा कि उन्होंने (तेजस्वी ने) जो भी वादे किए थे, चाहे वह मूल निवास का मामला हो, प्रतियोगी परीक्षाओं के फॉर्म पर शुल्क माफी हो या युवा आयोग का गठन, वह (नीतीश कुमार सरकार) उन्हें अपनी पहल के रूप में पेश कर रही है। उन्होंने यह भी दावा किया, राज्य की थकी हुई (राजग) सरकार आगामी विधानसभा चुनावों में उखाड़ फेंकी जाएगी। बिहार को एक असली मुख्यमंत्री चाहिए, न कि नकली। हम सरकार बनाएंगे और हमारे पास राज्य के लिए एक 'विजन' है।

सुविचार

हार हो जाती है जब मान लिया जाता है, जीत तब होती है जब ठान लिया जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कट्टरपंथ का बहाना, लोकतंत्र पर निशाना

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का भारत से यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का 'आग्रह' करना हास्यास्पद है कि उसकी धरती से किसी भी बांग्लादेशी नागरिक द्वारा बांग्लादेश विरोधी गतिविधि नहीं की जाए। भारत किसी भी देश के खिलाफ ऐसी गतिविधियों की अनुमति नहीं देता है। आज बांग्लादेश के खिलाफ गतिविधि करने वाले सबसे ज्यादा लोग बांग्लादेश में ही हैं, जो शेख मुजीबुर्रहमान और असंख्य बलिदानियों द्वारा बनाए गए राष्ट्र को तहस-नहस करने को आमादा हैं। जिस देश में कट्टरपंथी तत्त्व दनदनाते फिर रहे हों और अन्य राजनीतिक विचारधारा के समर्थकों पर हमले कर रहे हों, उसे अपने यहां हालात बेहतर करने पर ध्यान देना चाहिए। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का इशारा अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की ओर था, जिसे वह प्रत्यर्पित करना चाहती है। हालांकि इसकी राह आसान नहीं है। इस समय बांग्लादेश में जैसा माहौल है, उसमें न्याय सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। अगर भारत ने समय रहते शेख हसीना को आश्रय न दिया होता तो उनकी जान को खतरा था। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय का यह बयान पाखंड से भरा हुआ है कि 'सरकार ने इन खबरों पर गौर किया है कि 'प्रतिबंधित' अवामी लीग ने भारत में कार्यालय स्थापित किए हैं।' जो सरकार अन्य राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध लगाए, उनके नेताओं के खिलाफ बदले की भावना से कार्रवाई करे, वह दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश से ऐसा 'आग्रह' कैसे कर सकती है? उसे पहले अपने यहां ऐसा माहौल बनाना चाहिए, जिसमें अन्य दल भी लोकतंत्र में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने यह कहकर इस पड़ोसी देश को उचित जवाब दिया है कि 'बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का प्रेस में जारी बयान गलत है और नई दिल्ली को भारत में अवामी लीग के कथित सदस्यों द्वारा बांग्लादेश विरोधी कोई भी गतिविधि या भारतीय कानून के विरुद्ध कोई भी कार्रवाई किए जाने की जानकारी नहीं है।' बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को चाहिए कि वह अपने यहां पनप रहे कट्टरपंथ पर लगाम लगाए। इन दिनों जिस तरह पाकिस्तान की उसके साथ नजदीकी बढ़ती जा रही है, उससे इस आशंका को बल मिलता है कि भविष्य में वहां कई आतंकवादी संगठन जड़ें जमा सकते हैं। पाकिस्तान ने इन संगठनों को इसलिए तैयार किया था, ताकि ये भारत को परेशान करें। कालांतर में इन आतंकवादी संगठनों ने पाकिस्तानी जनता का खून बहाना शुरू कर दिया था, जो आज तक जारी है। पाकिस्तान के किसी सेना प्रमुख या शीर्ष नेता में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह इनके खिलाफ खुलकर कार्रवाई कर सके। अगर बांग्लादेश ने इन्हें अपनी धरती पर पनपने का मौका दे दिया तो इसका खामियाजा उसकी जनता को भुगतना होगा। याद रखें, ये आतंकवादी संगठन किसी भी तरह के लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते और सिर्फ बम-बंदूक की भाषा जानते हैं। क्या मो. यूनुस या किसी बांग्लादेशी नेता में इतनी ताकत है, जो बांग्लादेश में इनके जड़ें जमाने के बाद इन्हें हटा सके? ढाका को निष्पक्ष चुनाव कराने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। ऐसा चुनाव, जिसमें हर राजनीतिक दल और उसके नेताओं को भाग लेने की स्वतंत्रता हो। किसी दल और उसके नेताओं को मनमाने तरीके से मुकाबले से ही बाहर कर देने की कार्रवाई अनुचित है। इससे असंतोष बढ़ेगा, लोगों का आक्रोश फूटेगा और भविष्य में कई अप्रिय घटनाओं को बढ़ावा मिलेगा। बांग्लादेश को भारतीय विदेश मंत्रालय के इन शब्दों पर अमल करना चाहिए कि 'भारत अपनी अपेक्षा दोहराता है कि जनता की इच्छा और जनादेश जानने के लिए बांग्लादेश में जल्द से जल्द स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव कराए जाएंगे।' अगर कट्टरपंथियों को खुश रखने के लिए किसी दल और उसके नेताओं को चुनाव से बाहर रखा गया तो यह लोकतंत्र की भावना के खिलाफ होगा।

ट्वीटर टॉक

बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा के पूर्व सांसद कर्नल सोनाराम चौधरी जी के निधन का दु:खद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर से प्रार्थना है कि वें दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं शोक संतप्त परिजनों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें।

-दीया कुमारी

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता कल्याण सिंह जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। स्व. कल्याण ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा हिमाचल व राजस्थान के राज्यपाल के रूप में कई ऐसे ऐतिहासिक विकास कार्य किए, जो सदियों तक उन्हें हमारे जेहन में जीवित रखेंगे।

-वसुंधरा राजे

चित्तौड़गढ़ के मोटलियास गांव में शंकरलाल जाट की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु दु:खद एवं संवेदनशील है। जानकारी के मुताबिक मृतक के शरीर पर गंभीर चोट के निशान और प्रकरण में पुलिस की ज्यादती एवं गैर-कानूनी कार्रवाई की बात सामने आ रही है।

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

मिट्टी की खुशबू

एक बार भारत की प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. जनकी अमल को एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाषण देने के लिए इंग्लैंड आमंत्रित किया गया। वहां उन्होंने भारत की खेती, पौधों और मानसून की विशेषताओं पर बोलते हुए एक बात कहीबारिश की पहली बूंद जब सूखी ज़मीन को छूती है तो जो खुशबू आती है, वह विज्ञान से ज़्यादा भाव का विषय है। यह सुनकर सभी वैज्ञानिक मुस्कराए। तभी एक विदेशी वैज्ञानिक ने सवाल किया, डॉ. जनकी, क्या उस खुशबू को वैज्ञानिक भाषा में भी समझाया जा सकता है? जनकी अमल कुछ क्षण मौन रहीं, फिर मुस्कराकर बोलीं, 'जब कोई किसान रोज़ सूखी धरती को निहारता है, तो उसमें एक आत्मीय रिश्ता बन जाता है। पहली बारिश जब गिरती है, तो सिर्फ़ मिट्टी नहीं भीगती, उसका मन भी भीगता है। यह खुशबू 'पेट्रीकोर' नामक रसायन के कारण होती है, लेकिन इसके पीछे इंतज़ार, समर्पण और जीवन की गंध छुपी होती है।' यह सुनकर पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। डॉ. जनकी अमल ने उस दिन विज्ञान को भावना से जोड़कर यह साबित किया कि हर खोज के पीछे संवेदनशीलता भी होती है।

सामयिक

विधेयक पर हंगामा क्यों, जब मुद्दा है राजनीतिक शुचिता का?

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

आज देश विकसित भारत के संकल्प की ओर बढ़ रहा है। विकसित भारत का सपना केवल तकनीकी प्रगति या आर्थिक मजबूती से पूरा नहीं होगा, बल्कि इसके लिए स्वच्छ, ईमानदार और पारदर्शी राजनीति आवश्यक है। राजनीति में अपराधियों की घुसपैठ न केवल लोकतंत्र की नींव को कमजोर करती है बल्कि जनता के विश्वास को भी तोड़ती है।

गंभीर आपराधिक आरोपों में घिरे नेता चाहे वे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं मंत्री ही क्यों न हो, उनकी गिरफ्तारी या हिरासत के बाद एक निश्चित अवधि बीत जाने पर हटाने की व्यवस्था वाले विधेयक को जब केन्द्र सरकार ने लोकसभा में प्रस्तुत किया तो जरूरत से ज्यादा हंगामा एवं विरोध समझ में नहीं आया। इस तरह ईमानदार, अपराधमुक्त राजनीति एवं चरित्रसम्पन्न-पवित्र राजनेताओं की पैरवी वाले विधेयक पर हंगामा लोकतंत्र की गरिमा को आहत करता है। गृहमंत्री अमित शाह ने सूझबूझ का परिचय देते हुए अपनी ओर से इन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वीकार भी कर लिया, अब तो विपक्ष को विरोध एवं हंगामें को विराम देते हुए इस पर विचार करना चाहिए कि आखिर ऐसी ईमानदार, समानतापूर्ण एवं आदर्श व्यवस्था क्यों नहीं बननी चाहिए, जिससे उच्च पदों पर बैठे नेताओं के गंभीर अपराधों में गिरफ्तारी अथवा हिरासत में लिये जाने पर उनके लिये पद छोड़ना आवश्यक हो जाये? आखिर इस आदर्श व्यवस्था में समस्या क्या है? क्यों विपक्ष नैतिक एवं आदर्श राजनीतिक व्यवस्था में अवरोधक बनकर अपने नैतिक चरित्र पर प्रश्न खड़े कर रहा है? क्या इस विधेयक का असर सत्तापक्ष के नेताओं पर नहीं होगा?

आजादी के बाद से कतिपय राजनीतिक विसंगतियों के चलते राजनीति में अपराधी तत्वों का वर्चस्व बना रहा है। जनता यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वह अपना प्रतिनिधि चुनती है, वे अपराधमुक्त, निष्कलंक, ईमानदार और चरित्रवान हों। परन्तु स्थिति इसके विपरीत दिखती रही है। एक ओर जनप्रतिनिधि अपराधों में संलिप्त पाए जाते हैं, दूसरी ओर वे पद से इस्तीफा देने या सार्वजनिक जीवन से दूर रहने के बजाय सत्ता की कुर्सी से चिपके रहते हैं। यही प्रवृत्ति जनता के विश्वास को तोड़ती है और राजनीति को संदेह के घेरे में डाल देती है। यह प्रश्न अब और गंभीर हो उठा है कि क्या ऐसे व्यक्तियों को शासन और सत्ता के उच्च पदों पर बने रहने का अधिकार होना चाहिए? क्या लोकतंत्र का आधार अपराध और भ्रष्टाचार पर खड़ा किया जा सकता है? निश्चित ही नहीं। जब तक राजनीति से अपराधी तत्वों का निष्कासन नहीं होगा, तब तक न तो सुशासन स्थापित हो सकता है न ही नया भारत, विकसित भारत एवं आदर्श भारत बन सकता है और न ही राजनीति के प्रति जनता का भरोसा लौट सकता है।

आज समय आ गया है कि नए कानून बनाकर राजनीति को अपराधमुक्त बनाने की दिशा में ठोस एवं कारगर कदम उठाए जाएं। यह केवल चुनाव सुधार का मामला नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा को बचाने का प्रश्न है। ऐसे प्रावधान होने चाहिए कि जिस क्षण कोई जनप्रतिनिधि गंभीर अपराध में आरोपित होकर जेल भेजा जाए या आरोप सिद्ध होने तक हिरासत में रहे, वह स्वचालित रूप से अपने पद से मुक्त हो जाए। इस्तीफे की प्रतीक्षा या राजनीतिक दबाव की आवश्यकता ही न रहे। अनेक नेताओं ने ऐसा आदर्श प्रस्तुत भी किया, लेकिन आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा आदि अनेक पार्टियों के नेताओं ने जेल से सरकारें चलाने एवं मंत्री पद पर बने रहने के काले अध्याय रचे हैं, इसी के चलते इस नये विधेयक की अपेक्षा सामने आई।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में स्वच्छ राजनीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। जब सत्ता और शासन के केंद्र में अपराधी मानसिकता के लोग बैठते हैं, तो वे शासन को अपने स्वार्थ और अपराधों की ढाल बना लेते हैं। इससे न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था खोखली होती है, बल्कि आम जनता का जीवन भी संकट में पड़ता है। भ्रष्टाचार, धनबल, बाहुबल, भाई-भतीजावाद, हिंसा और अनैतिकता का वातावरण उसी समय पनपता है, जब राजनीति अपराधियों के कब्जे में जाती है। ईमानदार और स्वच्छ छवि वाले नेताओं की मांग आज पहले से अधिक बढ़ गई है। जनता ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो अपने आचरण से उदाहरण प्रस्तुत करे। राजनीति यदि सेवा और त्याग का माध्यम बनेगी तो ही समाज का कल्याण होगा। जिन नेताओं पर जरा भी संदेह का धुंधलका हो, उन्हें स्वयं स्वेच्छा से पद छोड़ देना चाहिए। यही परंपरा राजनीति को उच्चता और गरिमा प्रदान कर सकती है।

अपराध मुक्त राजनीति केवल नैतिक अपेक्षा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूरी है। जब तक राजनीति में शुचिता और नैतिकता का स्थान नहीं बनेगा, तब तक सुशासन और ईमानदार प्रशासन की कल्पना अधूरी ही रहेगी। नए कानूनों का निर्माण कर अपराधियों के लिए राजनीति के दरवाजे बंद करना समय की सबसे बड़ी मांग है। यह कदम न केवल लोकतंत्र को सुदृढ़ करेगा, बल्कि जनता के भीतर यह विश्वास भी जगाएगा कि राजनीति वास्तव में लोककल्याण के लिए है, न कि अपराधियों की शरणस्थली। यही अपराधमुक्त राजनीति का दर्शन है, जहां सत्ता अपराधियों का आश्रय-स्थल न होकर समाज की नैतिक ऊर्जा का केंद्र बने। यही उसकी सबसे बड़ी उपयोगिता है कि वह लोकतंत्र को उसकी वास्तविक आत्मा लौटाए और राजनीति को सेवा, शुचिता और ईमानदारी का प्रतीक बनाए।

भारतीय लोकतंत्र में पिछले कुछ वर्षों से राजनीति और अपराध के गठजोड़ को लेकर गहरी चिंता लगातार उठती रही है। जनता बार-बार यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वे संसद और विधानसभा भेजते हैं, वे न केवल ईमानदार और पारदर्शी हों बल्कि उनके चरित्र और आचरण पर कोई दाग न हो।

किंतु बार-बार यही देखने को मिलता है कि गंभीर आपराधिक मामलों में फंसे नेता भी उच्च पदों पर बने रहते हैं और शासन-सत्ता का उपयोग अपने बचाव के लिए करते हैं। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार द्वारा संसद में पेश किया गया नया विधेयक (संविधान का 130वां संशोधन) एक ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है, केन्द्र सरकार इन विधेयकों को भ्रष्टाचार एवं अपराध विरोध बता रही है, जबकि विपक्ष इससे सहमत नहीं। उनकी असहमति अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रही है कि आखिर विपक्ष दागियों की वकालत करते हुए वह स्वयं भी दागी क्यों बन रही है? आशंका जताई जा रही है कि यदि यह संशोधन पारित हो गया तो विपक्ष-शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और मंत्री अस्थिर हो सकते हैं, उनके पद संकट में पड़ सकते हैं। दरअसल यह विरोध केवल विधेयक का नहीं बल्कि अपनी राजनीतिक सुविधा, अपनी सत्ता बचाने और सुरक्षा का है। प्रश्न यह उठता है कि क्या विपक्ष वास्तव में अपराधमुक्त राजनीति नहीं चाहता? क्या केवल सत्ता में बने रहने के लिए राजनीति को अपराधियों का अड्डा बनाए रखना आवश्यक है?

विपक्ष का तर्क है कि सरकार इस विधेयक का दुरुपयोग कर सकती है, और केवल आरोप लगाकर भी नेताओं को पद से हटाया जा सकता है। लेकिन सच्चाई यह है कि लोकतंत्र में जब तक कानून कठोर और स्पष्ट नहीं होगा, तब तक राजनीति से अपराध का सफाया संभव नहीं है। यदि किसी निर्दोष व्यक्ति पर आरोप गलत सिद्ध होता है तो उसके लिए पुनः प्रतिष्ठा अर्जित करने के रास्ते खुले रहेंगे, परंतु गंभीर आरोपियों को शासन की कुर्सी पर बने रहने देना लोकतंत्र के साथ अन्याय है, उसकी मूल आत्मा को ध्वस्त करना है। ऐसा अरविन्द केजरीवाल ने पहली बार किया और जेल से ही सरकार चलाने का दम भरते रहे।

आज देश विकसित भारत' के संकल्प की ओर बढ़ रहा है। विकसित भारत का सपना केवल तकनीकी प्रगति या आर्थिक मजबूती से पूरा नहीं होगा, बल्कि इसके लिए स्वच्छ, ईमानदार और पारदर्शी राजनीति आवश्यक है। राजनीति में अपराधियों की घुसपैठ न केवल लोकतंत्र की नींव को कमजोर करती है बल्कि जनता के विश्वास को भी तोड़ती है। अपराधमुक्त राजनीति न केवल आदर्श है बल्कि सुशासन और विकास की बुनियादी शर्त है। इसलिए आवश्यक है कि ऐसे विधेयक का स्वागत किया जाए, क्योंकि यह राजनीति को शुचिता, नैतिकता और जनहित के मार्ग पर ले जाने का प्रयास है। राजनीति में एक नये सूरज का उदय है। विपक्ष यदि इसका विरोध करता है तो यह सवाल स्वतः उठता है कि क्यों विपक्ष अपराधमुक्त राजनीति का विरोध करके अपराधियों का संरक्षण कर रहा है? क्या उसे अपने ही दागी नेताओं के लिए भय है? लोकतंत्र को बचाने और मजबूत करने के लिए यह विधेयक समय की मांग है। नया भारत तभी विकसित भारत बनेगा जब उसकी राजनीति अपराधियों से मुक्ति होगी। अपराधमुक्त राजनीति से ही सुशासन आएगा, ईमानदार नेतृत्व पनपेगा और जनता के बीच विश्वास की नई रोशनी जगेगी। यही लोकतंत्र की असली जीत होगी।

नजरिया

टूटते संयुक्त परिवार और बिखरता समाज

प्रो. महेश चंद गुप्ता

कितना अफसोसनाक है कि हम राष्ट्र की एकता की बात तो करते हैं लेकिन अपने ही परिवार की एकता नहीं बचा पा रहे। संयुक्त परिवारों के बिखरने से समाज का ताना-बाना ढीला हो गया है। रिश्तों में वह गर्माहट नहीं रही, बच्चों में वह संस्कार नहीं रहे और बुजुर्गों के लिए वह सम्मान नहीं रहा। जब परिवार टूटते हैं तो समाज भी बिखरता है और जब समाज बिखरता है तो राष्ट्र की एकता भी खतरे में पड़ जाती है। खुशी की बात है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन कुटुंब प्रबोधन अभियान के जरिए परिवारों को जोडऩे का प्रयास कर रहे हैं लेकिन यह काम केवल किसी संगठन का नहीं बल्कि पूरे समाज का है।

हमारे समाज की आत्मा परिवार में बसती है। समाज की सबसे बड़ी शक्ति संयुक्त परिवार व्यवस्था रही है। तीन पीढ़ियों का एक साथ रहना, बुजुर्गों की देखरेख, बच्चों को संस्कारित करने और परिवार के बीच अपनायत ही वह धुरी थी जिस पर हमारी संस्कृति और समाज टिका हुआ था लेकिन दुर्भाग्य से आज यही मजबूत नींव दरक रही है। संयुक्त परिवार तेजी से टूट रहे हैं और उनकी जगह छोटे, एकल परिवार ले रहे हैं। परिणामस्वरूप, रिश्ते कमजोर हो रहे हैं, बुजुर्ग अकेलेपन से जूझने को मजबूर हैं और नई पीढ़ी संस्कारों से दूर होती जा रही है। हम लोग हमेशा गर्व से कहते आए हैं कि हमारी सबसे बड़ी पूंजी हमारा परिवार है। और परिवार में केवल मां-बाप और बच्चे नहीं बल्कि दादा-दादी, चाचा-चाची, ताऊ-ताई और भाई-बहनों का पूरा कुनबा होता था, जो संयुक्त परिवार कहलाता था। इसी व्यवस्था ने हमें कठिन से कठिन दौर में भी संभाले रखा। आज यह सब कुछ बदल रहा है।

जीवन के सत्तर वसंत देख चुके मेरी पीढ़ी के लोगों ने संयुक्त परिवारों का सुनहरा जमाना देखा और जीया है। वह समय था जब दादी की गोद में बैठकर हम कहानियां सुना करते थे। रामायण और महाभारत के किस्से, पंचतंत्र की कहानियां बचपन में हमारे संस्कार बन जाते थे। लेकिन अब उनकी जगह मोबाइल स्क्रीन ने ले ली है। बच्चे असली जीवन के अनुभवों से दूर कार्टून और गेम्स की आभासी दुनिया में पल-बढ़ रहे हैं। संयुक्त परिवारों में बच्चे बड़ों की देख-रेख में बड़े होते थे। कोई पढ़ाई में कमजोर होता तो चाचा-ताऊ उसकी मदद करते, कोई बीमार पड़ता तो चाची-ताई तुरंत सेवा में जुट जातीं। यह सहयोग केवल परिवार तक सीमित नहीं था बल्कि बच्चों की सोच में भी घर कर जाता। वे सबको साथ लेकर चलना सीखते और यही मूल्य समाज को मजबूत बनाते थे।

बड़ा सवाल है कि आखिर हमारे संयुक्त परिवार धीरे-धीरे बिखर क्यों गए? इसके पीछे कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है उपभोक्तावादी संस्कृति। बाजार चाहता है कि हर परिवार छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट जाए ताकि हर घर के लिए अलग टीवी, अलग फ्रिज, अलग गाड़ी बिके। जब एक परिवार चार हिस्सों में बंटता है तो खपत चार गुना बढ़ जाती है। यही बाजार की रणनीति है। दूसरा कारण है पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण। मीडिया और फिल्मों ने यह छवि गढ़ दी कि संयुक्त परिवार झगड़ों की जड़ हैं और छोटे परिवार आधुनिकता के प्रतीक। युवाओं को लगने लगा कि संयुक्त परिवार में स्वतंत्रता नहीं, बोझ है। धीरे-धीरे यह धारणा समाज में बैठ गई है।

तीसरा कारण बदलती जीवन शैली है। शहरों में नौकरी के दबाव, कॅरियर की दौड़ और कथित आजादी की सोच ने भी परिवार को पीछे धकेला। अब युवा पीढ़ी मैं और मेरा परिवार' तक सीमित हो गई है। चौथा कारण, बहुत से लोगों द्वारा बेटियों के ससुराल में अनावश्यक दखलअंदाजी है। इस कारण वहां की शांति भंग होती है। बेटे-बहू अलग हो जाते हैं। संयुक्त परिवारों के बिखरने का यह भी बड़ा कारण बन रहा है। लेकिन सोचिए, कितना कुछ खो दिया है हमने इस बीच में? संयुक्त परिवार केवल रहने का ढांचा भर नहीं था बल्कि यह जीवन जीने की पाठशाला था। दादा-दादी बच्चों को कहानियों से मूल्य सिखाते, माता-पिता अनुशासन देते और भाई-बहनों के बीच सहयोग व त्याग से धैर्य पैदा होता था। बुजुर्गों को सम्मान और सुरक्षा मिलती थी। बच्चे माता-पिता ही नहीं बल्कि पूरे परिवार से संस्कार सीखते थे। पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी, बड़ों का आदर, अतिथि देवो भव की भावना संयुक्त परिवार की ही देन थे।

इस बात से क्या कोई इनकार कर सकता है कि भारत के सेवा, त्याग, सहनशीलता जैसे महान जीवन मूल्य संयुक्त परिवारों में ही जन्मे थे। यही कारण है कि हम हजारों सालों तक आक्रमणों, संकटों और बदलावों के बावजूद टिके रहे। इसके विपरीत, आज के छोटे परिवार की तस्वीर अलग है। बच्चे अकेलेपन से जूझते हैं। मां-बाप नौकरी में व्यस्त रहते हैं तो बच्चों का सहारा मोबाइल और इंटरनेट बन जाता है। बुजुर्ग या तो उपेक्षित हैं या वृद्धाश्रमों में धकेल दिए जा रहे हैं। रिश्तों में अपनापन घट गया है और स्वार्थ बढ़ रहा है। विवाह जैसी संस्था कमजोर हो रही है। लिव-इन रिलेशनशिप जैसे विकल्प बढ़ रहे हैं। रिश्तों में स्थायित्व की जगह अस्थिरता आ रही है। नतीजा यह है कि समाज में मानसिक तनाव, अवसाद और असुरक्षा तेजी से बढ़ रही है।

कितना अफसोसनाक है कि हम राष्ट्र की एकता की बात तो करते हैं लेकिन अपने ही परिवार की एकता नहीं बचा पा रहे। संयुक्त परिवारों के बिखरने से समाज का ताना-बाना ढीला हो गया है। रिश्तों में वह गर्माहट नहीं रही, बच्चों में वह संस्कार नहीं रहे और बुजुर्गों के लिए वह सम्मान नहीं रहा। जब परिवार टूटते हैं तो समाज भी बिखरता है और जब समाज बिखरता है तो राष्ट्र की एकता भी खतरे में पड़ जाती है। खुशी की बात है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन कुटुंब प्रबोधन अभियान के जरिए परिवारों को जोडऩे का प्रयास कर रहे हैं लेकिन यह काम केवल किसी संगठन का नहीं बल्कि पूरे समाज का है। हमें खुद तय करना होगा कि हम अगली पीढ़ी को किस तरह का भारत सौंपना चाहते हैं? बड़ा सवाल यह भी है कि हम आगे कैसे बढ़ें? सबसे पहले तो हमें संयुक्त परिवार को बोझ नहीं बल्कि अपनी सांस्कृतिक संपत्ति मानना होगा। हमें समझना होगा कि आधुनिकता का मतलब परंपरा से कट जाना नहीं है। असली आधुनिकता वही है जिसमें परंपरा और प्रगति का संतुलन हो। परिवारों को जोडऩा, बुजुर्गों को सम्मान दिलाना और बच्चों को संस्कार देना, यही वह रास्ता है जिस पर चलकर हम अपने समाज को फिर से मजबूत बना सकते हैं। हमें यह सोचना होगा कि अगर परिवार टूटेंगे तो समाज भी बिखरेगा और अगर परिवार मजबूत होंगे तो देश भी मजबूत होगा।

संयुक्त परिवारों का टूटना केवल सामाजिक बदलाव नहीं बल्कि भारतीयता का क्षरण है। आने वाली पीढियों को अकेलेपन और उपभोक्तावाद के हवाले करना सबसे बड़ा अपराध होगा। परिवार का बिखरना समाज और राष्ट्र के विखंडन की पहली सीढ़ी है। आवश्यकता इस बात की है कि हम फिर से उस अपनायत और सामूहिकता की भावना को जीवित करें जिसने भारत को सभ्यता की सबसे पुरानी और मजबूत धारा बनाया था। याद रखिए-अगर परिवार एक होगा तो देश भी एक होगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महाराजा कमलचंद्र भंजदेव (बायें) एवं जगदलपुर के महापौर संजय पांडे (दायें)।

बस्तर का महल

बस्तर: कोहिनूर की धरती की बदलती तस्वीर

नक्सल छवि से सांस्कृतिक वैभव की ओर ...

श्रीकांत पाराशर
dakshinbharat.com

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले का नाम सुनते ही हमारे मानसपटल पर नक्सल प्रभावित क्षेत्र की छवि उभर आती है लेकिन अब वहां तेजी से बदलाव आ रहा है। हाल ही में चित्रकोट कन्नड़-छत्तीसगढ़ी संगम कार्यक्रम में बस्तर जाने का अवसर मिला तो वहां के काकतीय राजवंश के 23वें वंशज, मौजूदा युवराज कमलचंद्र भंजदेव से मिलने का मौका मिला। वे राजनीतिक रूप से भाजपा से जुड़े हैं और क्षेत्र के विधायक भी हैं।

ज्ञातव्य है कि बस्तर रियासत की स्थापना 14 वीं शताब्दी में हुई थी। रियासत के 20 वें वंशज श्री प्रवीरचंद्र भंजदेव 1936 में राजा बने जो जनता के बीच बहुत लोकप्रिय रहे। बस्तर के आदिवासी उन्हें भगवान मानते थे और आज भी उनको पूजते हैं। उन्होंने 1948 तक राज किया। प्रवीरचंद्र भंजदेव की 1966 में उनके ही महल में पुलिस की गोली से मृत्यु हो गई थी।

वर्तमान वंशज श्री कमलचंद्र भंजदेव भी अपने विनम्र व्यवहार के कारण स्थानीय आदिवासियों में बहुत लोकप्रिय हैं। उनकी हाल ही में गत फरवरी माह में ही नागौद रियासत की राजकुमारी से शादी हुई है। वे लंदन से पोलिटिकल साइंस में ग्रेजुएट हैं और वर्ष 2010 में स्वदेश लौटकर उन्होंने अपने पूर्वजों की रियासत संभाली। उन्होंने प्रवीर सेना भी बनाई है जिसमें लगभग 28 लाख आदिवासी हैं।

राजवंश की कुल देवी माँ दंतेश्वरी

गौरतलब है कि बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी हैं। उनका मुख्य मंदिर दंतेवाड़ा में है तथा एक मंदिर यहां बस्तर महल परिसर में स्थापित है। हमने भी माता दंतेश्वरी के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण किया। राजमहल में कमलचंद्र भंजदेव जी का आत्मीय आतिथ्य सत्कार भी मिला। उन्होंने बताया कि बस्तर का दशहरा मैसूर के विश्वप्रसिद्ध दशहरे से भी अधिक पुराना है लेकिन पिछड़े क्षेत्र के कारण उतना प्रचार प्रसार नहीं हुआ और विश्व पटल पर नहीं पहुंच सका।

बस्तर का महल

एक और रोचक बात, कोहिनूर हीरा सबसे पहले बस्तर रियासत के पास था जो 1303 में अलाउद्दीन खिलजी के साथ युद्ध के दौरान चोरी हो गया था। बस्तर रियासत बहुत बड़ी थी, एक तरफ तेलंगाना तक तो दूसरी तरफ महाराष्ट्र की सीमा तक फैली थी। बस्तर का दशहरा आज भी भव्यता के साथ मनाया जाता है और कम से कम 90 दिन तक चलता है। महल परिसर को जनता के लिए खोल दिया जाता है। समस्त जनता के रहने-खाने का बंदोबस्त राजघराने की तरफ से होता है।

राजवंश की कुल देवी माँ दंतेश्वरी

कॉफ़ी बोर्ड में हुई अंतर कार्यालयीन हिंदी भाषण प्रतियोगिता

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां कॉफ़ी बोर्ड मुख्यालय में गुरुवार को नराकास (का-4) के सरकारी सदस्य कार्यालयों के कार्मिकों को हिंदी के प्रति उत्साहित कर इसके प्रयोग में वृद्धि करने के मकसद से अंतर कार्यालयीन हिंदी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कॉफ़ी बोर्ड के संयुक्त निदेशक (योजना एवं समन्वय) शिवकुमार स्वामी, उप निदेशक (प्रशासन) अजीत कुमार राऊत तथा प्रतियोगिता के निर्णायक एवं उप निदेशक (लेखा) तरुण शर्मा, उप निदेशक (राजभाषा) डॉ. धीरज कुमार मिश्र एवं अन्य साथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी उषा ने सरस्वती वंदना की।

शिवकुमार स्वामी ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने की अपील के साथ सभी को शुभकामनाएं दीं। निर्णायक तरुण शर्मा ने प्रतियोगिता के लिए निर्धारित नियमों की जानकारी दी। इस प्रतियोगिता में कुल 41 कार्मिकों ने भाग लिया। शर्मा ने हिंदी भाषी एवं हिंदीतर भाषी दो वर्गों में दो अलग-अलग प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कारों की घोषणा की। अतिथियों ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया एवं बधाई दी।

नराकास (का-4) के सदस्य सचिव राजभवन ने सभी प्रतिभागियों एवं विजेताओं को बधाई दी और हिंदी की प्रगति में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन उषा ने किया। कार्यक्रम के प्रबंधन में संस्थान के अनुवाद अधिकारी सी मादप्पा एवं डॉ. अनुश्री पीएस ने सहयोग किया। डॉ. धीरज मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रगान के साथ प्रतियोगिता का समापन हुआ।

नीरू बाजवा ने इंडस्ट्री में एंट्री के लिए बोला 'झूठ'

मुंबई/एजेन्सी

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री नीरू बाजवा इन दिनों फिल्म 'तेहरान' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में जगह बनाने के लिए झूठ का सहारा लेना पड़ा था। अभिनेत्री ने बताया था कि कनाडा से आने वाले लोगों को लेकर इंडस्ट्री में एक गलत धारणा थी, इसलिए उन्होंने सबसे कहा था कि वह चंडीगढ़ की रहने वाली हैं। नीरू ने कहा, इंडस्ट्री में पहले लोगों को लगता था कि अगर आप कनाडा से हो, तो आपको स्थानीय भाषा अच्छे से नहीं आती होगी और आप अच्छे से भारतीय या पंजाबी भाषा नहीं बोल पाओगे। इसलिए मैं लोगों से झूठ बोला करती थी कि मैं चंडीगढ़ की रहने वाली हूं और सबसे भारतीय लहजे में बात करती थी, क्योंकि मैं इस सोच से तंग आ गई थी। साथ ही, मैं ये भी जानती थी कि उन्हें कितना भी समझाओ, वे नहीं मानेंगे।

उन्होंने किरदार की तैयारी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जासूसी फिल्मों ने इस किरदार के लिए उनकी बहुत मदद की। नीरू ने बताया कि किरदार के फिजिकल लैंग्वेज को समझने के लिए उन्होंने ढेरों जासूसी फिल्में देखीं। उन्होंने कहा, मैंने किरदार के लिए कोई खास तैयारी नहीं की थी। सिर्फ जासूसी फिल्में देखकर किरदारों की चाल-ढाल, हाव-भाव और शारीरिक भाषा को समझा। इस सहज तरीके से उन्हें सेट पर स्वाभाविक अभिनय करने में मदद मिली, जिससे उनके किरदार में और भी गहराई आई।

नीरू ने अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करते हुए कहा, जॉन बहुत विनम्र और सकारात्मक इंसान हैं। उन्होंने सेट पर सभी को सहज रखा, जिससे हमारा काम और भी बेहतर हुआ।

बेंगलूरु में गुरुवार को साउथ यूनाइटेड फुटबॉल क्लब (एसयूएफसी) की आवासीय अकादमी के शुभारंभ पर एसयूएफसी आवासीय अकादमी के कार्यक्रम प्रमुख इंद्रेश नागराजन, एसयूएफसी के निदेशक शरण पारिख, एसयूएफसी के सीईओ मोहम्मद रफीक और क्रिमसन एजुकेशन के सह-सीईओ हुसैन दोहादवाला की उपस्थिति में शिवाजीनगर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक रिजवान अरशद फुटबाल खेलकर उदघाटन करते हुए।

कल से स्टाइल, कला और लक्ज़री का लगेगा मेला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के फैशन और लक्ज़री प्रेमियों के लिए एक शानदार मौका है। हाई लाइफ प्रदर्शनी का आगाज 23 अगस्त को 'द ललित अशोक' में होगा। यह 25 अगस्त तक अपनी चमक बिखेरने के लिए तैयार है। यह प्रदर्शनी डिज़ाइनर फैशन, स्टेटमेंट ज्वैलरी, लक्ज़री होम डेकोर और ढेर सारे अनूठे प्रॉडक्टस को एक ही छत के नीचे पेश करेगी। हाई लाइफ प्रदर्शनी में आपको ट्रेंडसेटिंग एक्सेसरीज़ से लेकर एलिगेंट परिधानों तक का शानदार कलेक्शन मिलेगा, जो कला और रचनात्मकता का बेहतरीन नमूना होगा। चाहे आप अपने वॉर्डरोब को अपग्रेड करना चाहते हों या घर की सजावट को नया रंग देना चाहते हों, यहां हर किसी के लिए कुछ खास मिलेगा। आयोजकों ने कहा कि इस शानदार शॉपिंग अनुभव को मिस न करें और स्टाइल को नए आयाम दें।

जमील के मार्गदर्शन में नेशंस कप के लिए 35 में से 25 संभावित खिलाड़ी ले रहे ट्रेनिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मोहन बागान सुपर जायंट्स ने अपने खिलाड़ियों को रिलीज करने से इनकार कर दिया है जिसके बाद भारत के नवनियुक्त मुख्य कोच खालिद जमील के पास ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में होने वाले सीएएफए नेशंस कप से पहले राष्ट्रीय शिविर के लिए बुलाए गए 35 में से 25 खिलाड़ी ही बचे हैं। यह शिविर 16 अगस्त को 22 खिलाड़ियों के साथ शुरू हुआ था लेकिन छह दिन के बाद भी 11 खिलाड़ी इसमें शामिल नहीं हुए हैं। कुछ दिन पहले तीन खिलाड़ी शामिल हुए थे लेकिन इनमें से एक मूल 35 खिलाड़ियों में शामिल नहीं है। भारत अपने पहले मैच में 29 अगस्त को हिसोर में सह मेजबान ताजिकिस्तान से भिड़ेगा। मोहन बागान सुपर जायंट्स ने अपने सात खिलाड़ियों अनिरुद्ध थापा, दीपक टांगरी, लालेंगमाविया राल्टे, लिस्टन कोलाको, मनवीर सिंह, सहल अब्दुल समद, विशाल कैथ को इस आधार पर रिलीज नहीं किया है क्योंकि टूर्नामेंट फीफा अंतरराष्ट्रीय विंडो में आयोजित नहीं हो रहा है जिससे खिलाड़ियों को रिलीज करना अनिवार्य नहीं है।

कोलकाता का यह क्लब 17 अगस्त को डूरंड कप से बाहर हो गया है लेकिन इसके बावजूद उसने अपने खिलाड़ियों को रिलीज नहीं करने का फैसला किया। जमशेदपुर एफसी के खिलाड़ी मनवीर सिंह और अल्बिनो गोम्स मूल 35 खिलाड़ियों में शामिल थे जो शिविर से जुड़ गए हैं। साथ ही पंजाब एफसी के नए खिलाड़ी मुहम्मद उवैस भी सोमवार को शिविर में शामिल हुए जिससे खिलाड़ियों की संख्या 25 हो गई। ईस्ट बंगाल बुधवार को डूरंड कप के सेमीफाइनल में हार गया था लेकिन अभी तक स्पष्ट नहीं है कि क्लब के तीन खिलाड़ी अनवर अली, जैकसन सिंह और नाओरेम महेश सिंह शिविर से जुड़ेंगे या नहीं और टीम की रवानगी में बस कुछ दिन ही बचे हैं।

अनुराग कश्यप ने एआई निर्मित फिल्म 'चिरंजीवी हनुमान' को लेकर निर्माता विजय सुब्रमण्यम की आलोचना की

नई दिल्ली/भाषा। फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप ने निर्माता विजय सुब्रमण्यम की एआई निर्मित फिल्म ''चिरंजीवी हनुमान- द इटरनल'' की आलोचना करते हुए कहा है कि यह कदम हिंदी सिनेमा के ''खतरनाक'' भविष्य को दर्शाता है। कश्यप ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए सुब्रमण्यम के लिए एक संदेश लिखा, जो टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी 'कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क' के संस्थापक और समूह सीईओ हैं। कश्यप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, कोई भी अभिनेता या कोई भी व्यक्ति जो खुद को कलाकार कहता है और जिसमें हिम्मत है, उसे या तो उनसे (सुब्रमण्यम) सवाल करने चाहिए या एजेंसी छोड़ देनी चाहिए, क्योंकि उन्होंने (सुब्रमण्यम ने) ये स्पष्ट कर दिया है कि उनके अनुसार आप उनके एआई-आधारित प्रदर्शन के मुकाबले कुछ भी नहीं हैं। उन्होंने कहा, हिंदी फिल्म उद्योग के रीढ़विहीन और कायर तथाकथित कलाकारों का भविष्य यहीं है। शाबाश विजय सुब्रमण्यम। तुम्हारे लिए शर्म पर्याप्त नहीं है। तुम्हें तो गटर में होना चाहिए। निर्देशक ने आगे कहा कि कंपनियां हमेशा प्रतिभा की बजाय अपने हितों को प्राथमिकता देती हैं।

कश्यप ने कहा, रचनाकारों के हितों की रक्षा और प्रतिनिधित्व करने की बात तो सिर्फ कहने भर की है। आखिर में, ये सभी एजेंसियां सिर्फ आपके जरिये पैसा कमाने में दिलचस्पी रखती हैं और जब वे आपके लिए एक के बाद एक बेकार विकल्प चुनते हैं और आप उनके लिए पर्याप्त कमाई नहीं कर पाते, तो अब वे पूरी तरह एआई की ओर बढ़ रहे हैं। इससे पहले, कश्यप के करीबी दोस्त और फिल्म निर्माता विक्रमादित्य मोटवानी ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर एक पोस्ट में फिल्म की घोषणा को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त की थी।मोटवानी ने कहा था, तो यह शुरू हो गया... जब फिल्म 'मेड इन एआई' हो, तो फिर लेखकों और निर्देशकों की ज़रूरत किसे है?'' सुब्रमण्यम ने इससे पहले 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि उनका उद्देश्य ऐसी फिल्में बनाना है, जो आधुनिक तकनीक को प्राचीन कहानियों के साथ जोड़ें और युवा दर्शकों को ध्यान में रखते हुए तैयार की जाएं।

बिहार से भाजपा सांसद शांभवी चौधरी गुरुवार को नई दिल्ली के अकबर रोड पर एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन का अभिनंदन करती हुईं।

पंजाबी फिल्म 'मेहर' का ट्रेलर रिलीज, शिल्पा शेट्टी ने की तारीफ

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा पंजाबी फिल्मों की दुनिया में कदम रख चुके हैं। उनकी पहली पंजाबी फिल्म 'मेहर' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। 'मेहर' में राज कुंद्रा 'करमजीत सिंह' नाम के शख्स के किरदार में हैं।

ट्रेलर की शुरुआत में राज कुंद्रा कहते हैं, एक दिन आएगा रंधावा, जब मुझे देखने के लिए तुझे टिकट लेना पड़ेगा। इसके बाद वे बॉक्सिंग की प्रैक्टिस करते नजर आते हैं। फिर एक आवाज सुनाई देती है, जिसमें कहा जाता है, अपने पापा जैसा तो बॉक्सर नहीं बन सका, लेकिन एक्टर तो तू कमाल का बनेगा करमजीत सिंह। इस लाइन के साथ करमजीत का एक्टिंग सफर शुरू होता दिखाया जाता है। फिल्म में गीता बसरा भी हैं, जो करमजीत की पत्नी सिम्मी का किरदार निभा रही हैं। फिल्म साइन करने की खुशी में करमजीत और सिम्मी साथ में जश्न मनाते हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, एक झूठ सामने आता है, जो उनके रिश्ते को काफी हद तक खराब कर देता है।

इस झूठ की वजह से करमजीत और सिम्मी के बीच दूरियां बढ़ जाती हैं और उनके रिश्ते में तनाव आ जाता है। ट्रेलर में आगे दिखाया जाता है कि करमजीत सिम्मी से एक मौका मांगता है, लेकिन वह मना कर देती है और रिश्ता खत्म करने की बात करती है। इस दौरान सिम्मी के पिता भी कहते हैं, हीरो बनता-बनता डाकू बन गया है तू। झूठ की वजह से करमजीत के दोस्त भी उससे दूर हो जाते हैं।

ट्रेलर के अंत में करमजीत एक्टिंग छोड़कर फिर से बॉक्सिंग में लौट आता है और इस बार वह पूरी मेहनत से अपनी मंजिल पाने की कोशिश करता है।

इस ट्रेलर को शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट किया है और लिखा, पंजाबी फिल्मों को एक नया हीरो मिला है, लेकिन वह कई सालों से मेरा हीरो है। राज कुंद्रा, फिल्मों की दुनिया में आपका स्वागत है। 'मेहर' की पूरी टीम को मेरी शुभकामनाएं। गाने और अब ट्रेलर दोनों ही शानदार हैं। मैं फिल्म देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। 'मेहर' की कहानी संघर्ष, प्यार और परिवार के जज्बे को बखूबी पेश करती है। फिल्म 5 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अमिताभ बच्चन के बंगले में घुसा बारिश का पानी, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई में इन दिनों भारी बारिश हो रही है। इससे आम लोगों से लेकर बॉलीवुड स्टार्स तक परेशान हैं। इसी बीच एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस वीडियो में दिख रहा है कि बॉलीवुड स्टार अमिताभ बच्चन के जुहू वाले घर में पानी भर गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो वायरल है। इसमें अमिताभ बच्चन के जुहू वाले बंगले प्रतीक्षा के सामने और अंदर पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। वीडियो में एक शख्स मुंबई की बारिश के बारे में लोगों को बताते दिख रहा है, कैसे लोग पानी से परेशानी झेल रहे हैं। मुंबई में इन दिनों जहां देखो पानी ही पानी है।

इसी बीच वो अमिताभ बच्चन के घर का रुख करता है और दिखाता है कि उनके घर में भी बारिश का पानी भर गया है।

बता दें कि अमिताभ बच्चन की तबीयत भी इन दिनों सही नहीं है। हाल ही में उन्होंने अपने आधिकारिक ब्लॉग पर 'कौन बनेगा करोड़पति 17' के सेट से कई तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने अपनी सेहत की भी जानकारी लोगों को दी। इस ब्लॉग की शुरुआत करते हुए बिग बी ने लिखा, ''कभी भी किसी भी चीज को हल्के में न लें।' अमिताभ ने उस स्थिति की ओर इशारा भी किया, जहां लोग अधिकार या ताकत के आगे झुक जाते हैं, और सही फैसला लेने में हिचकिचाते हैं। उन्होंने लिखा, ''कभी-कभी हम अधिकारों के सामने झुकते हैं, और अगर सही मायने में झुकें, तो यह ठीक भी होता है, लेकिन अक्सर लोग खुद को ऐसे हालात में पाते हैं, जहां वे सही को लेकर असमंजस में होते हैं... और फिर वे बस किनारे बैठे रहते हैं।'' ब्लॉग में बिग बी ने कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं। इनमें वे कैमरे के सामने अपने खास अंदाज में मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। उनके चेहरे की चमक यह साफ दिखाती है कि वे आज भी अपने काम को पूरी लगन और मेहनत से करते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन फिलहाल 'कौन बनेगा करोड़पति' का 17वां सीजन होस्ट कर रहे हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के यलहंका में रह रहे एक प्रतिभाशाली युवक आकाश एम एन को उसकी शिक्षा संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए श्रीदीप सेवा फाउण्डेशन की ओर से एक नया लैपटॉप भेंट किया गया। आकाश हर वर्ष अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होते हैं।

धन से नहीं, गुण व योग्यताओं से बनने चाहिएं ट्रस्टी : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं के संरक्षण के लिए हुआ विचार-विमर्श

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शहर के स्टेशन रोड स्थित जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में गुरुवार को उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीजी ने कहा कि श्रावकों के आचार-विचार और ट्रस्टियों के कर्तव्यों एवं योग्यताओं के संबंध में जैन परंपरा में अनेक प्राचीन ग्रंथों की रचना हुई है। श्रद्धा, समर्पण, भक्ति-भावना, ज्ञान, योग्यता और गुणों के बिना बनाए जाते ट्रस्टियों को जैनशास्त्रों ने गलत माना है, नकारा है। जिनके पास न्यूनतम भी योग्यता नहीं है, ऐसे हजारों लोग आज समाज में ट्रस्टी या पदाधिकारी बनकर बैठे हैं। ऐसे लोग समाज की सेवा नहीं, उस पर हुकूमत करते हैं। हजारों ऐसे ट्रस्टी और पदाधिकारी भी हैं, जिन्होंने मंदिरों और धर्मस्थानकों को भक्ति व साधना का माध्यम नहीं, व्यापार का केंद्र बना दिया है। वे श्रद्धालुओं से सिर्फ पैसे ऐंठने का काम करते हैं। ऐसी संस्थाओं में मनमानी और भ्रष्टाचार भी खूब चलता है। यह सब धर्म और अध्यात्म का मार्ग नहीं है। आचार्यश्री ने कहा कि किसी भी धार्मिक या सामाजिक संस्था के ट्रस्टी वंश परंपरागत नहीं होने चाहिएं।

यह सर्वथा गलत और हानिकारक व्यवस्था है। धन के आधार पर किसी को ट्रस्टी बनाना भी गलत परंपरा है। वर्तमान में समाज में यह घातक परिपाटी व्यापक रूप से फैलती जा रही है। इसके दुष्परिणाम भी समाज भुगत रहा है। हकीकत में ट्रस्टी धन के आधार पर नहीं, गुणों और योग्यताओं के आधार पर बनाए जाने चाहिएं। धन देकर तो अयोग्य और गुणहीन भी पदाधिकारी बन जाएंगे। ऐसे लोग धर्म और समाज के हितों की रक्षा नहीं करेंगे। समाज के गुणवान लोग ऐसे पदाधिकारियों से बहुत परेशान होते हैं। हर ट्रस्टी या पदाधिकारी की कार्य क्षमता, मन:स्थिति, विचारधारा और संस्था के उद्देश्यों के प्रति उसकी निष्ठाभावना जीवनभर एक जैसी रहेगी, यह कतई जरूरी नहीं है ।कालांतर में यदि पुत्र की धार्मिक-सामाजिक मान्यता बदल जाती है तो ऐसी स्थिति में कानूनन उस पुत्र के ट्रस्टी बने रहने पर उस धार्मिक संस्था के प्रति अन्याय और अहित ही होगा। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि गुरुवार को पर्युषण महापर्व के दूसरे दिन धर्मसंघ की व्यवस्था और उन्नति तथा धार्मिक-सामाजिक संस्थाओं के संचालन के संबंध में शास्त्र निर्दिष्ट वार्षिक ग्यारह कर्तव्यों पर रोचक विवेचना हुई। जिनालयों में पूजा-अर्चना, प्रतिक्रमण, सामायिक, गुरुवंदना, शास्त्र श्रवण, पौषध व्रत, आयंबिल तप और महाआरती में श्रद्धालुओं बड़ी संख्या में भाग लिया।

जिनके घर संत पधारते हैं वे अत्यन्त भाग्यशाली होते हैं : साध्वी इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित पर्युषण पर्व के दूसरे दिन के प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि संत सुपात्र होते हैं। वे बहुत भाग्यशाली होते हैं जिनके घर संत पधारते हैं और हम उन्हें शुद्ध आहार देते हैं। अलसूर महावीर भवन में अंतगड दशा सूत्र का विवेचन करते हुए इंदुप्रभा जी ने कहा कि संत का हमें अगाध प्रसन्नता के साथ आगे जा कर, सम्मान कर अपने घर में अपने हाथों से दान देना चाहिए। यह हमारी आर्य संस्कृति है। जिस घर दान दिया जाता है, उस परिवार की अनेक पीढ़ियां संपन्न रहती हैं। घर आंगन में पधारे साधु हमें पुण्य लाभ देने पधारते हैं। खूब विनय, विवेक और भक्ति के साथ सत्कार कर उनका सम्मान करना चाहिए।

संत को आहार दान दुर्लभ दान माना गया है। संत घर से खाली नहीं जाने चाहिए। प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने 'ले लो वशीकरण मंत्र' विषय पर कहा कि यदि हम चाहते हैं कि सब लोग हमारी सुनें, मानें और हमारे अनुसार चलें तो हमें अपना वचन, व्यवहार सात्विक करना होगा। हम बोलने के पहले तोलें और कम बोलें, मीठा बोलें और आवश्यकता अनुसार विवेक से बोलें। सत्य भी ऐसा नहीं बोलना चाहिए जिससे किसी की मानसिक हिंसा हो और मर्मकारी हो। अच्छे संबोधन से अच्छे संबंध बनते हैं। साध्वी श्री रिद्धिप्रभाजी ने शास्त्र वाचन किया। निपुणप्रभा जी ने गायन प्रस्तुत किया। प्रवचन सभा में चांदनी धोका ने 7 उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। सभा का संचालन मंत्री अभय कुमार बांठिया ने किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

बेंगलूरु के यलहंका क्षेत्र में सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में आकाश एम एन को श्रीदीप सेवा फाउण्डेशन की ओर से लैपटॉप भेंट करते हुए श्रीकांत पाराशर।

श्रीदीप सेवा फाउण्डेशन ने प्रतिभावान विद्यार्थी को नया लैपटॉप भेंट किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका में रह रहे एक प्रतिभाशाली युवक आकाश एम एन को उसकी शिक्षा संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए श्रीदीप सेवा फाउण्डेशन की ओर से एक नया लैपटॉप भेंट किया गया। आकाश हर वर्ष अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होते हैं। बोर्ड की परीक्षा में उन्होंने 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। पीयूसी प्रथम वर्ष में भी विशिष्ट योग्यता हासिल करने वाले आकाश को अपनी पढ़ाई में लैपटॉप की कमी महसूस हो रही थी लेकिन वे लैपटॉप खरीद पाने में असमर्थ थे। उनके घर में केवल उनकी माता हैं जो दैनिक मजदूरी कर अपना व अपने पुत्र आकाश का भरण-पोषण करती हैं। आकाश के सिर पर पिता का साया नहीं है तथा बहिन की शादी हाल ही में हो चुकी है। वे वर्तमान में वृंदावन

कालेज में द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी हैं और उन्होंने फाउण्डेशन से निवेदन किया कि अगर उन्हें फाउण्डेशन की तरफ से लैपटॉप मिल जाए तो उन्हें पढ़ाई में काफी मदद मिलेगी। यह जानकारी सेना से सेवानिवृत्त हुए एक समाजसेवी जयराम एवं होमगार्ड रवींद्र से चार दिन पूर्व ही प्राप्त हुई और श्रीदीप सेवा फाउण्डेशन ने तत्काल यह सेवाकार्य करने का निर्णय लिया। बुधवार को यलहंका में बिना किसी तामझाम एक सादे कार्यक्रम में आकाश को फाउण्डेशन के श्रीकांत पाराशर ने लैपटॉप भेंट किया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर समाजसेवी जयराम और उनके कार्यकर्ताओं की टीम के रवींद्र, सुरेश, गगनदीप, दामोदर, नरेश सहित लगभग 20 कार्यकर्ता मौजूद थे। जयराम, रवींद्र और गगनदीप ने फाउण्डेशन के इस कार्य की सराहना की। फाउण्डेशन की तरफ से कमल पाराशर ने भविष्य में भी शिक्षा क्षेत्र में ऐसे कार्य करते रहने की फाउण्डेशन की प्रतिबद्धता दर्शाई और कार्यकर्ताओं से कहा कि यलहंका क्षेत्र के ऐसे किसी भी वास्तविक जरूरमंद की आवश्यकताओं से फाउण्डेशन को अवगत कराएं क्योंकि आप सब इस क्षेत्र के लोगों के बीच सेवाकार्य के माध्यम से जुड़े हुए हैं।

मानवता सबसे बड़ा धर्म : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर नरेश चातुर्मास समिति के तत्वावधान में ईटा गार्डन अपार्टमेंट के पास गुरुवन्ना देवरु मठ परिसर में आयोजित पर्युषण पर्व के दूसरे दिन बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावक श्राविकाओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने कहा कि मानवता सबसे बड़ा धर्म है। हमेशा व्यक्ति को जीवन में परोपकार की भावना रखनी चाहिए।आपके अच्छे कार्यों से मिली किसी की दुआ आपके जीवन को अपार खुशियों से भर देगी और आपके ऊपर आने वाला कष्ट संकट भी टल सकता है। अतः इंसान को अपने जीवन में किसी की दुआ लेनी चाहिए, पर किसी को भी कष्ट-दुख देकर आप अपने जीवन में कभी भी सुखी नहीं हो सकते हैं।ङ्गप्रारंभ में शालिभद्र मुनिजी ने अन्तगड सूत्र का वाचन करते हुए उसकी विस्तार से विवेचना की। उन्होंने कहा कि पर्युषण महापर्व आत्म निरीक्षण की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बच्चों में नैतिक शिक्षा, संस्कार देना हर माता पिता का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपने जीवन में हमेशा मधुर व मीठे वचन बोलना चाहिए। उन्होंने धार्मिक प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए सबसे ज्ञान प्रतियोगिता में भाग लेने की बात कही। साध्वी डॉ मेघाश्री ने साधक को हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ धर्म को अपना सच्चा मित्र साथी बनाने की बात कही। इस अवसर पर अनेक श्रद्धालुओं ने विभिन्न तपस्या के नियम नरेशमुनि जी महाराज के मुखारविंद से ग्रहण किए। संघ के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने सबका स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री महावीरचन्द मेहता ने किया।

मोक्ष की अभिलाषा रखने वाला ही होता है मुमुक्षु : संत ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि मंथन करने के लिए ही पर्युषण पर्व का समय आया है। जुड़वाँ बच्चे एक नक्षत्र से व एक मां के पेट से जन्म लेते हैं फिर भी भाग्य में अंतर होता है। भाग्य के हिसाब से ही अच्छा बुरा होता है। संसार में एक जैसा कुछ नहीं मिलता है। कुछ न कुछ अपवाद होता है। हर मां अपने बच्चे के लिए सुख शांति चाहती है। कलयुग में भगवान के रूप में मां होती है। कितना भी दुख आए लेकिन मां अपने बच्चों को दुख से दूर ही रखती है। मां की ममता का कोई मोल नहीं है। मां अपने बच्चों के लिए बहुत सोचती है। बच्चों की सफलता पर खुश होती है। लेकिन यह विडंबना ही है कि जिस मां ने बेटों के लिए इतना किया आज वही बच्चे मां को बेघर कर देते हैं। कलयुग में ऐसा ही होता है जो कि चिंतनीय है। संत श्री ने कहा कि याद रहे मां की इज्ज़त करने वाले को हर जगह इज्ज़त मिलती है। यह हमारी संस्कृति और संस्कार की ही बात है। मोक्ष की अभिलाषा रखने वालों को ही मुमुक्षु

कहते हैं। जब जग से मोह खत्म होता है और संयम आता है तब मनुष्य अपने आप मोह माया की अभिलाषा से दूर हो जाता है। स्वर्ग और सुख की चाह से भी दूर होकर गुरु चरणों में चला जाता है। मुमुक्षु को किसी चीज की चाह नहीं होती है। संसार का सच्चा मुमुक्षु मोक्ष की अभिलाषा करता है। देव, गुरु, धर्म ये तत्व महान मार्ग हैं। इनको पहचानने वाला सच्चा बुद्धिमान होता है। जब तक मनुष्य सम्यक्तव, धर्म, संयम को नहीं समझेगा तब तक ऐसे ही भटकता रहेगा। यह पर्व मनुष्य को वही समझाने के लिए आता है। बुरे कर्मों को काट कर मोक्ष के मार्ग पर आगे बढ़ने का प्रयास करें, तभी कर्मों की निर्जरा हो सकेगी।

स्वयं को समझने के लिए पढ़ना स्वाध्याय है : साध्वी पुण्ययशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आरआर नगर स्थित तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य में पर्युषण पर्व का दूसरा दिन स्वाध्याय दिवस के रूप में मनाया गया। साध्वी पुण्ययशाजी ने भगवान महावीर की भव श्रृंखला में नयसार के भव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान महावीर के जीव को इसी नयसार के भव में प्रथम बार सम्यक्तव रत्न की प्राप्ति हुई जो इस बात की ओर संकेत है कि इस जीव ने मोक्ष पाने की योग्यता प्राप्त कर ली है। इसी कारण जैन दर्शन में सम्यक्तव का इतना महत्व है। दिवस का विश्लेषण करते हुए कहा कि लौकिक विद्या पढ़ना अध्ययन एवं आध्यात्मिक विद्या पढ़ना स्वाध्याय है। दूसरों को समझने के लिए पढ़ना, अध्ययन करना एवं स्वयं को समझने के लिए पढ़ना स्वाध्याय है। स्वाध्याय समुद्र में गोता लगाने वाला अमूल्य रत्न है। प्रतिदिन का स्वाध्याय नवोदित सूर्य की तरह नव ऊर्जा देता है। स्वाध्याय का जन्म अपनी पहचान से होता है। स्वाध्याय से लब्धियाँ, सिद्धियाँ एवं वचन की प्रामाणिकता आदि प्राप्त की जा सकती है। उपद्रव आदि भी दूर होते हैं। ङ्गसाध्वी वर्धमानयशाजी ने स्वाध्याय पर भाव व्यक्त किए। साध्वी बोधिप्रभाजी ने स्वाध्याय के महत्व को उजागर करते हुए गीत को प्रस्तुत किया। आचार्यश्री तुलसी महाप्रज्ञ चेतना सेवा केंद्र परिसर में प्रस्तावित महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल के ब्रोशर को चेतना केंद्र के अध्यक्ष मदन बोराणा, मंत्री प्रेम चावत व समस्त पदाधिकारियों ने प्रस्तुत किया। उन्होंने सकल समाज से इस महनीय उपक्रम में हर तरह से सहयोग करने का निवेदन किया। तेयुप के अध्यक्ष विक्रम महेर ने कार्यक्रम की जानकारी दी। साध्वीश्री के मंगलपाठ से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सत् साहित्य का मर्यादा पूर्वक अध्ययन स्वाध्याय है : साध्वी सोमयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा यशवंतपुर के तत्वावधान में तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी सोमयशाजी के सान्निध्य में मेवाड़ भवन में पर्युषण महापर्व का द्वितीय दिवस स्वाध्याय दिवस के रूप में मनाया गया। साध्वीश्री ने कहा कि पर्युषण पर्व आलौकिक पर्व है। श्रुतधर आचार्यो ने आठ दिन की परंपरा शुरू की, जिसका संबंध आठ कर्मं आठ मंगल, आठ प्रवचन माता,

अष्टदिवसीय विजय महोत्सव, स्कंध महोत्सव आदि से है।

भगवान महावीर के जीव के मरिची के भव का वर्णन करते हुए भगवान आदिनाथ के समवसरण में 12 प्रकार के परिषदों की विवेचना की। साध्वी डा सरलयशाजी ने स्वाध्याय दिवस पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वाध्याय एकाग्रता, भावशुद्धि, गुणशुद्धि का रसायन है। सत साहित्य का मर्यादा पूर्वक अध्ययन स्वाध्याय है। यह अहंकार को मिटाता है। साध्वी ऋषिप्रभाजी ने कहा कि स्वयं का अध्ययन करना स्वाध्याय है। व्यक्ति एक बार यदि आगम बत्तीसी का पारायण कर ले तो वह भवबंधन सीमित कर लेता है। महिला मंडल द्वारा स्वाध्याय दिवस पर गीत का संगान किया गया। संचालन साध्वी ऋषिप्रभा जी ने किया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सुरेश कुमार बरड़िया ने स्वागत किया। कार्यक्रम में यशवंतपुर व आसपास के क्षेत्र के श्रावक श्राविकाओं की अच्छी उपस्थिति थी।

जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है : मुनि मलयप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित मुनि मलयप्रभसागरजी ने पर्युषण पर्व के द्वितीय दिवस के अष्टान्हिका प्रवचन में कहा कि जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म भी हमेशा उसकी रक्षा करता है। हमारे पुण्य का घड़ा कब खाली हो जाएगा, पता नहीं चलेगा। हमें निरंतर अपने पुण्य में वृद्धि करनी है। परमात्मा खुद भी जिन होते हैं और दूसरों को भी जिन बनाते हैं। वह खुद भी इस संसार से पार होते हैं और दूसरों को भी पार करते हैं। खुद भी सिद्ध, बुद्ध, मुक्त बनते हैं और दूसरों को भी सिद्ध, बुद्ध, मुक्त बनाते हैं।

पर्युषण के कर्तव्यों में तीसरा कर्तव्य साधर्मिक भक्ति है, जिनका धर्म एक समान हो वह सभी हमारे साधर्मिक कहलाते हैं। हमें उनकी आदरपूर्वक भक्ति करनी चाहिए और उनके सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करना चाहिए। चतुर्थ कर्तव्य में मिच्छामि दुक्कड़म आता है अर्थात मन, वचन और काया की मृदुता से मर्यादा में रहकर सभी पापों से बचकर भूतकाल में जो भी पाप किए हैं, उनको स्वीकार करके उनकी निंदा करते हुए जहां से हम गिरे हैं वहां से पुनः रिश्तों की शुरुआत करनी है। पर्युषण के दिनों में हमें सभी से क्षमा मांग कर और क्षमा देकर मिच्छामी दुक्कड़म करना है। श्रावक के पांचवें कर्तव्य के अंतर्गत अट्ठम तप है। पर्युषण के दिनों में हमें अट्ठम तप करना है और अपने गाढ़ कर्मों को अपनी आत्मा से अलग करना है। प्रवचन के पश्चात चतुर्विध संघ के साथ कल्पसूत्र को वरघोड़े के साथ उज्जवलकुमार हेमंतकुमार गोलेच्छा परिवार के निवास स्थान ले जाया गया, जहां रात्रि में जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा, संगीत मंडल व महिला संगीत मंडल द्वारा परमात्मा भक्ति की गई।

क्षमा देने वाला और मांगने वाला हमेशा महान होता है : आचार्य प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने पर्युषण पर्व के द्वितीय दिवस पर अपने प्रवचन में श्रावक के पर्युषण के 5 कर्तव्यों में से तीसरे कर्तव्य क्षमापना के बारे में कहा कि द्वेष-ईर्ष्या को भूलकर क्षमा मांगनी व क्षमा देना ही क्षमापना है। कोई क्षमा न करे तो भी हम शुद्ध बन जाते हैं, यदि हम क्षमा मांग लें तो। क्षमा मांगते व क्षमा देते समय मन हलकापन अनुभव करता ही है। एक दूसरे के प्रति हुए मन दु:खों को भूलकर, बंद बोलचाल चालू कर क्षमापना कर लेना ही चाहिए। चौथा कर्तव्य अट्ठम का तप होता है यानी 3 उपवास करना, यह वार्षिक आलोचना है, जो संवत्सरी के पूर्व कर लेनी ही चाहिए। इस काल में कुछ न कुछ तप अवश्य करना चाहिए यदि तप न करे तो बियासणा, स्वाध्याय, नवकार मंत्र जाप तो जरूर करना ही चाहिए। अट्ठम तप से देवताओं का सान्निध्य प्राप्त हो सकता है। अट्ठम परम मंगल है। पांचवा कर्तव्य है चैत्यपरिपाटी अर्थात प्रभु के मंदिर में जाकर पूजा, दर्शन आदि करना। चाहे रोज नहीं जा सकते, परंतु पर्युषण के दिनों में तो अवश्य जाना चाहिए प्रभु मूर्ति प्राण है और जिनालय प्रभु की देह है। चैत्य परिपाटी प्रभु की ऊर्जा को प्राप्त करने का माध्यम है। जयंतीलाल श्रीश्रीमाल ने बताया कि प्रवचन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए ।

भगवान श्रीकृष्ण की मातृ-पितृ भक्ति अति अनुकरणीय : डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने पर्युषण पर्व के दूसरे दिन उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि संसार में माता पिता की सेवा, ईश्वर की सेवा के समान है। श्रीकृष्ण ने अपने माता पिता की आदर्श सेवा भक्ति, उनकी हर आज्ञा का विनम्रता से पालन करके जगत के समक्ष एक अनुपम, दिव्य आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि माता-पिता अपने जीवन का सर्वस्व बलिदान करते हुए अपनी संतान का पालन पोषण करते हैं और अपने बच्चों को संसार की हर खुशी प्रदान करने के लिए दिन रात अथक परिश्रम मेहनत करते हैं। वही बच्चे

बड़े होकर जब अपने वृद्ध मां बाप की सेवा नहीं करते हैं और कुछ नौजवान जब अपने माता पिता को घर से बाहर निकाल देते हैं, उन्हें वृद्धावस्था में लाचार, असहाय हालत में वृद्धाश्रम में छोड़ कर आ जाते हैं तो चिंतन करें ऐसी दयनीय स्थिति में उन बूढ़े मां बाप पर क्या गुजरती होगी? मुनिश्री ने युवाओं को आव्हान करते हुए कहा कि आप सभी आज यह संकल्प लें कि कभी भी अपने माता पिता को किसी भी हालत में उन्हें वृद्धाश्रमों में नहीं भेजेंगे। याद रखें जो अपने माता पिता को सताते हैं, उनकी आज्ञा नहीं मान कर उनका हर समय अपमान करते हैं, तिरस्कार करते हैं, ऐसी औलाद आगे चलकर अपने जीवन में कभी भी सुख, शान्ति के साथ नहीं रह सकती है। प्रारंभ में रूपेशमुनि ने अंतगड सूत्र का वाचन एवं विवेचन किया। उप प्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी ने सबको मंगल पाठ प्रदान किया। इस अवसर पर कर्नाटक जैन कान्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे ।संचालन राजेश मेहता ने किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com